

## श्रद्धेय सुरेश कुमार जी अग्रवाल महानिर्वाण के तीन माह पूर्ण



## स्व. श्री सुरेश कुमार जी अग्रवाल

सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी अग्रवाल

स्वर्गवास : शनिवार 25 जुलाई, 2026

मीठी मधुर स्मृतियाँ आपकी, कभी नहीं मिट पाएंगी  
आपका व्यवहार आपकी बातें, सदैव हमें याद आएंगी ॥  
दिवंगत आत्मा को शत शत नमन ॥ ॐ शांति शांति ॥

----- श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता -----

रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज), अनूप (पुत्र), नरेश, बजरंग, दिलीप,  
अनिल, मयूर, पियूष, मृदुल, मोहित, लोकेश, प्रतियोध, प्रियांक (भतीजे),  
कमल, अंकित, नयन, रचित, आरूष, विहान, निश्चय, हृदय, पनव (पौत्र)

**नथमल सुरेश कुमार (बसईवाले)**

फर्म : श्री इंडो स्टील इंटरप्राइजेस , चॉइस डिक्कोर्स  
बसई स्टील्स , मेगासिटी मोल्डिंग

निवास : 333 लिफ्ट नंबर.12 मानसरोवर हाइट्स फ़ेज-1  
तिरुमलगिरी, हैदराबाद-500011

## आज का राशिफल

मेघ - चू,वे,चो,ला,लि,बू,ले,लो,अ



भविष्य में अगर आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की वचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से वेबजह वादयिवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अल्पशिक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपको मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लम्बे समय के बाद आप भरपूर नौद का मज़ा ले पाएंगे।



वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,बु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही खर्चों में भी इज़ाफ़ा होगा। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़ास तौर इस महान-कुछ देना है। आपको अपने दिव के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप सोने-एक-दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फ़ुर्तन के फल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सुखे-सददीले दौर के बाद आपको थूफ नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा बकस गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।



मिथुन - क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मीन-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। पू तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेग लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप अंशों बंद करके बचती कर सकते हैं, यह आपके धर्मसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से बहुत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आप आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।



कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डो,डो

आपका धन कहाँ खर्च हो रहा है इसपर आपको नज़र बनाए रखने की ज़रूरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होगा है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।



सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,दू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मजबूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीसरी वस्तु के चोरी होने की वजह से आपको भूढ़ ख़ाब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील करेयू गुप्तों को हल करने के लिए करना चाहिए। मज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अक्ल रहेंगे।



कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान परस की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्तरों में सहभागिता का भेष है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको पता चलने की ज़रूरत नहीं है। आज आपको कुछ बड़े की तरह पहचानेंगे। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात अगर आपके जुवान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज ख़ास ख़ास भोजन बन सकता है।



तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बच्चों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने पता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने दिव की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे- आपको अपने ज़रूरत पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा क़ाब करने से बचे जो मामले को और भी क़िड़क दें। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज़्यादा लोगों से मिलकर आप फ़ायदा हो जाते हैं और फिर अपने लिए एक निष्ठावर्ती की काग़िज़ करने लग जाते हैं। इस लिहाज़ से आज का दिन आपके लिए बहुत उदा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पलायन समार मिलेगा।



वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रश्मिार को बरकरार रखिए। बिना किसी अनुभवी परस की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दृष्टिकरण महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी लख्न करने से बचें- नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएँ दूर हो जाएगी।



धनु - ये,यो,अ,मी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई खुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा ख़रीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की काग़िज़ कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त ख़राब हो सकता है।



मकर - भो,ज़,जी,खि,खू,खे,खो,ग,नि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटक मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुजुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मोट्टी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुज़ार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुक़ उठा सकते हैं।



कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटक मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझ जा सकते हैं। ख़ासी वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़बरसुल याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अबरन रुक सकती है। इसलिए याद-विषयवर्ती हालत में घुमने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। सोच-समझकर फैसला करें कि आप किसके साथ बाहर जाने वाले हैं।



मीन - दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़लवदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा- इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच-समझ कर लगाएँ। छोटे वच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिल्ली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बातव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं।

## आशीर्वाद सेवा का बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

भाग्यनगर टाइगर्स विजेता, थंडर स्ट्राइकर्स उपविजेता



हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सामाजिक सेवा में सक्रिय संस्था आशीर्वाद सेवा (ए स्टेप टू सर्व द नीडी) की स्थापना के दो वर्ष पूर्ण होने पर हीरालाल रघुनाथ

दास भलवाले के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 उत्साह एवं खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि तेलंगना प्रदेश भाषाई

## निस्वार्थ अन्नसेवा मानवता की सबसे बड़ी पूजा, राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना सौभाग्य : बजरंग लाल शर्मा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वाधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क में नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के सम्मानित उद्योगपति बजरंग लाल शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर की जा रही निस्वार्थ सेवा गतिविधियों को देखकर मन में अपार प्रसन्नता, आत्मीयता और सेवा के प्रति श्रद्धा का भाव जागृत होता है। समाज के ज़रूरतमंद लोगों तक अन्नसेवा पहुंचाने के उद्देश्य से समर्पित इस समूह के साथ जुड़ना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सेवा के क्षेत्र में राधे-राधे ग्रुप जिस भावना, समर्पण और निरंतरता के साथ कार्य कर रहा है, वह समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है। बजरंग लाल शर्मा ने कहा कि



मानव जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल अपने परिवार और व्यवसाय की जिम्मेदारियों को निभाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और ज़रूरतमंद लोगों के जीवन में खुशियाँ लाने में भी निहित है।

धन, प्रतिष्ठा और सफलता का वास्तविक महत्व तभी है, जब उनका उपयोग किसी ज़रूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने, किसी भूखे की भूख मिटाने और किसी असहाय व्यक्ति को सहारा देने में किया जाए। अन्नसेवा ऐसा ही पुण्य कार्य है, जिसमें सेवा करने

वाले को आत्मिक संतोष मिलता है और भोजन प्राप्त करने वाले को राहत एवं सहारा मिलता है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, कमल मूंदड़ा और भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अन्नसेवा के महत्व पर विचार साझा करते हुए सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का नियमित अन्नसेवा अभियान इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है कि सेवा ही सच्चा धर्म है, मानवता ही सबसे बड़ा संस्कार है और किसी भूखे को भोजन कराना ईश्वर की सच्ची आराधना है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के प्रति संवेदनशील होकर आगे आएगा, तभी प्रेम, सद्भाव और सहयोग से परिपूर्ण समाज की स्थापना संभव होगी।

## बंगाली कल्चरल एसोसिएशन का लक्ष्मी पूजनोत्सव आयोजित



हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन, हैदराबाद की ओर से शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार, 25 अक्टूबर को

मासाब टैंक स्थित विद्याचल अपार्टमेंट में श्रीश्री लक्ष्मी पूजन-ोत्सव आयोजित किया गया। शरद पूर्णिमा को खीर का दिन और कोजागरी भी कहा जाता है। हिंदू पंचांग में इस दिन का

विशेष धार्मिक महत्व है।

पूजा समिति की शिबानी मैती और पंडित शंभूनाथ सिन्हा ने बताया कि श्रद्धालु-ओं ने मां लक्ष्मी की पूजा-भूखे की भूख मिटाने और आरती कर परिवारों में सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की।

माता के प्रसाद वितरण के बाद बिप्लव मुखोपाध्याय के नेतृत्व में अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया। अध्यक्ष संजय पात्र और वरिष्ठ कार्यकर्ता रंजीत पॉल ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई दी। संस्था की मीडिया समन्वयक एवं सहायक महासचिव डॉ. त्रिनिता मुखर्जी ने आयोजन में सहयोग देने वाले मीडिया संस्थानों हिंदी डेली शुभ लाभ

एवं अन्य के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्था की कोषाध्यक्ष टीम के डॉ. प्रसन्नजीत र और सौविक चटर्जी ने बताया कि संस्था की ओर से आजीवन सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इच्छुक व्यक्ति सदस्यता के लिए संस्था के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

## मदनूर में मनाई गई वाल्मीकि जयंती

मदनूर, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मदनूर के



स्थानीय वाल्मीकि मंदिर में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की गई। पुरोहित राजू स्वामी के हाथों महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का अभिषेक किया गया। इसके बाद प्रतिमा को नवीन वस्त्र पहनाकर फूल-मालाएं अर्पित की गईं और आरती उतारी गई। महर्षि वाल्मीकि को संस्कृत का आदिकवि तथा महाकाव्य रामायण का रचयिता माना जाता है। इस अवसर पर मंडल के हंडे केलूर और आवलगांव में भी भक्तिभाव के साथ वाल्मीकि जयंती मनाई गई।

## शारदा देवी उत्सव में महिलाओं की भागीदारी



किनवट, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अण्णा भाऊ साठे नगर में श्री शारदा देवी उत्सव महिला मंडल की ओर से धार्मिक अनुष्ठान एवं सौभाग्यवती महिलाओं के ओटी भरने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगराध्यक्षा सुजाता एडुलवार ने देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना एवं आरती में भाग लिया और शहर की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने आयोजक महिलाओं की सराहना करते हुए बारिश की कमी को देखते हुए पानी का उचित उपयोग करने की अपील की। साथ ही पैरंगंगा नदी पर प्रतिमा विसर्जन के दौरान आवश्यक व्यवस्था, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पंडाल, रोशनी, पेयजल एवं यातायात की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व पार्षद कलावती मूर्ती ने नगराध्यक्षा सुजाता एडुलवार तथा राधा बोलनवार ने पार्षद ललिता मुंदेश्वर का सत्कार किया। आयोजक बेबीराणी माहुरकर ने बताया कि मंडल में अध्यक्ष के बजाय सामूहिक नेतृत्व की परंपरा अपनाई गई है। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद अनुसया आत्रेलवार, कल्पना स्वामी, राधिका, विजया, आशा बाई, रविना, दीपाली, राणी, श्रद्धा, शरण्या, मानसी, सिद्धु सहित अनेक महिलाओं एवं बच्चियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

## अल्पसंख्यकों के लिए अंत्येष्टि वाहन की मांग



मंचेरियाल, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंदारमी कस्बे के मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के लिए अंत्येष्टि वाहन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर अल्पसंख्यक नेताओं ने पेदापल्ली सांसद गद्दम वंशी कृष्णा को याचिका सौंपी। नेताओं ने बताया कि कस्बे में लगभग सात मस्जिदें हैं और मुस्लिम समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है। अंत्येष्टि वाहन की सुविधा नहीं होने के कारण मृत्यु के समय शवों को ले जाने में परिवर्जनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मजबूरी में निजी वाहनों को किराये पर लेना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। नेताओं ने समुदाय की सुविधा के लिए स्थायी रूप से अंत्येष्टि वाहन स्वीकृत करने का आग्रह किया। सांसद गद्दम वंशी कृष्णा ने मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

## 8वीं पुण्यतिथि

हार्दिक
श्रद्धांजलि

### सुप्रसिद्ध भागवताचार्य

# पं. मधुसूदनजी शास्त्री

श्रीजीशरण : सं. २०७६, कार्तिक वदी २, 15 अक्तूबर 2019

जिनकी छाँव में पला परिवार, जिनसे मिला संस्कारों का ज्ञान,  
उन पूज्य पूर्वजों के चरणों में, हमारा शत्-शत् प्रणाम ।  
आपकी स्मृतियाँ सदा हमारे हृदय में दीप बन जलती रहेंगी,  
पीढियाँ बदलती रहेंगी, पर आपकी यादें सदा अमर रहेंगी ॥

नमनकर्ता : मनोज-कविता, उमेश-वेदिका, कमलेश-प्रतिभा, दिव्येश, कनक, हर्ष, हिमांशी

सुनीता-रामचंद्र व्यास, तरुणा-अनिल त्रिवेदी, चेतना-बुजेश ओझा, मनीषा-आशीष ओझा, रश्मि-गौरव दवे, भावना-पीयूष जोशी, मयूरी-सम्पत, डिम्पल-श्रीकांत शर्मा, अक्षिता-अक्षय, विनय-भावना, कपिल-अंशिका, कार्तिक-राधिका, राहुल-टीना व्यास, दीपेश-ईशा, डोमेश, प्रियंका, वंश, हर्ष, तक्ष, हियान, निष्ठा, क्रिशा, कनिका, खुश, खुशी, नित्या एवं समस्त त्रिवेदी परिवार

## पं. मनोज त्रिवेदी

(सुप्रसिद्ध वास्तु विशेषज्ञ, ज्योतिष, भागवत कथा वाचक)

निवास : श्रीजी सदन, 2-2-1160/C, तिलक नगर, न्यु नल्लाकुटा, हैदराबाद. फ़ोन : 9246361507, 9848334377

## आज का पंचांग

दिनांक : 27 अक्टूबर 2026, मंगलवार

विक्रम संवत : 2083

मास : कार्तिक, कृष्ण पक्ष

तिथि : प्रतिपदा प्रातः 07:03 तक

नक्षत्र : भरणी सार्ध 03:39 तक

योग : सिद्धि प्रातः 10:53 तक

करण : कोलव प्रातः 07:03 तक

चन्द्रराशि : मेघ रात्रि 09:07 तक

सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:47 ( हैदराबाद )

सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:55 ( बंगलूर )

सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:46 ( तिरुपति )

सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:39 ( विजयवाड़ा )

धूप चौकडिया

कल : 09:00 से 10:30

लाभ : 10:30 से 12:00

अमृत : 12:00 से 01:30

शुक्राल : सार्ध 03:00 से 04:30

दिवालीपूर : उल दिवा

उषा : धुंध छाया यात्रा का आरंभ करें

दिन विशेष : कार्तिक मान आरंभ



पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)

भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फ़क़ड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com



## कैसे करनी चाहिए आरती

**पूजा** के अन्त में आरती की जाती है। पूजन में जो त्रुटि रह जाती है, आरती से उसकी पूर्ति होती है। पूजन मन्त्रहीन और क्रियाहीन होने पर भी आरती कर लेने से उसमें सारी पूर्णता आ जाती है। आरती करने का ही नहीं, आरती देखने का भी बड़ा पुण्य होता है। जो धूप और आरती को देखता है और दोनों हाथों से आरती लेता है, वह भगवान् विष्णु के परमपत को प्राप्त होता है।



**साधारणतः** पाँच बत्तीयों से आरती की जाती है, इसे 'पंचप्रदिप' भी कहते हैं। एक सात या उससे भी अधिक बत्तीयों से भी आरती की जाती है। कपूर से भी आरती होती है। कुमकुम, अगर, कपूर धुत और चन्दन, पाँच बत्तीयों अथवा दीए की ( रुई और घी की ) बत्तियाँ बनाकर शंख, घंटा आदि बजाते हुआ आरती करनी चाहिए। आरती उतारते समय सवप्रथम भगवान् की प्रतिमा के चरणों में उसे चार बार घुमाएँ, दो बार नाभिदेश में, एक बार मुखमण्डल पर और सात बार समस्त अंगों पर घुमाए। यथार्थ में आरती, पूजन के अन्त में इष्ट देवता की प्रसन्नता हेतु की जाती है। इसमें इष्टदेव को दीपक दिखाने के साथ ही उनका स्वतन तथा गुणगान किया जाता है।

### संध्या वंदन

संध्या वंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। संधिकाल में ही संध्या वंदन की जाती है। वैसे संधि 5 वक्त (समय) की होती है, लेकिन प्रातःकाल और संध्याकाल- उक्त दो समय की संधि प्रमुख है अर्थात् सूर्य उदय और अस्त के समय। वेदों के अनुसार इस समय मंदिरमें आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है।

**संध्योपासना के 5 प्रकार हैं-** (1) प्रार्थना, (2) ध्यान, (3) कीर्तन, (4) यज्ञ और (5) पूजा-आरती। व्यक्ति की जिस में जैसी श्रद्धा है वह वैसा करता है। लेकिन इन पांचों में किसका ज्यादा महत्व है, यह भी जानना जरूरी है।

## सीता जी से सीखिए गृहस्थी का मैनेजमेंट



त्रेतायुग में श्रीराम और सीता का चरित्र सबसे उत्तम और आदर्श माना गया है। जिसका संपूर्ण उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता है। जिसका अनुसरण यदि वर्तमान में भी किया जाए तो हरेक व्यक्ति का दांपत्य जीवन सुखमय हो सकता है।

ऐसे में सीता जी की इन 6 बातों को यदि जिंदगी में शामिल किया जाए, तो दांपत्य जीवन सुंदर बनाया जा सकता है।

#### चेहरे पर संकोच :

श्रीराम के चेहरे पर संकोच के के भाव देखते ही समझ सीता जी समझ गई कि राम, केवट को कुछ भेंट देना चाहते हैं, लेकिन उनके पास देने के लिए कुछ नहीं था। यह बात समझते ही सीता ने अपनी अंगूठी उतारकर केवट को देने के लिए आगे कर दी।

श्रीरामचरितमानस के इस प्रसंग में उल्लेखित है कि पति और पत्नी के बीच ठीक इसी प्रकार की समझ होनी चाहिए। वैवाहिक जीवन में दोनों की आपसी समझ

जितनी मजबूत होगी, वैवाहिक जीवन उतना ही ताजगीभरा और आनंददायक बना रहेगा।

#### वन में रहे साथ :

सीता जी और राम जी वन में साथ रहे उनकी यह बात इंगित करती है कि पति-पत्नी गृहस्थी की धुरी होते हैं। इनकी सफल गृहस्थी ही सुखी परिवार का आधार होती है। अगर पति-पत्नी के रिश्ते में थोड़ा भी दुराव या अलगाव है तो फिर परिवार कभी खुश नहीं रह सकता। परिवार का सुख, गृहस्थी की सफलता पर निर्भर करता है।

## यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है, इससे समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है

**हिंदू धर्म** में एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व है। हर एकादशी का अपना विशिष्ट नाम व महत्व धर्म ग्रंथों में लिखा है। इसी क्रम में वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस एकादशी का फल सभी एकादशियों से बढकर है। इस दिन जो उपवास रखते हैं, उन्हें 10 हजार वर्षों की तपस्या के बराबर फल प्राप्त होता है व उनके सारे पापों का नाश हो जाता है। जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। मनुष्य को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, मृत्यु के बाद उसे मोक्ष भी प्राप्त हो जाता है। इस व्रत की विधि इस प्रकार है-

**व्रत विधि** वरुथिनी एकादशी की सुबह स्नान आदि करने के बाद शुद्ध होकर संयमपूर्वक उपवास करना चाहिए। रात्रि जागरण करते हुए भगवान मधुसूदन यानी श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा भी पूरी विधि के साथ करते हुए विष्णु सहस्रनाम का जाप और उनकी कथा सुननी चाहिए। व्रत के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि को व्रती (व्रत करने वाला) को एक बार हविष्यान्न (यज्ञ में अर्पित अन्न) का भोजन करना फलदायी होता है। व्रत के अगले दिन यानी द्वादशी को ब्राहमणों को भोजन करवाना चाहिए। उसके बाद स्वयं भोजन करना चाहिए।

#### ये है वरुथिनी एकादशी व्रत की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा नदी के किनारे राजा मांधाता राज करते थे। एक बार वे जंगल में तपस्या कर रहे थे, उसी समय एक भालू आया और उनके पैर खाने लगा। मांधाता तपस्या करते रहे। उन्होंने भालू पर न तो क्रोध किया और न ही हिंसा का सहारा लिया। पीडा

#### सीता का समर्पण:

श्रीरामचरित मानस में एक प्रसंग है। जब श्रीराम और सीता ने विवाह के बाद पहली बार बात की तो राम ने सीता को वचन दिया कि वे जीवनभर उन के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उनके जीवन में कभी कोई दूसरी स्त्री नहीं आएगी। सीता ने भी वचन दिया कि हर सुख और दुख में वे साथ रहेंगी। श्रीराम और सीता ने पहली बातचीत में भरोसे और समर्पण का वादा किया।

#### श्रीराम का वनवास गमन:

जब श्रीराम को वनवास जा रहे थे तब वह चाहते थे सीता जी मां कौशल्या के पास ही रुक जाएं। जबकि सीता श्रीराम के साथ वनवास जाना चाहती थीं। कौशल्या भी चाहती थीं कि सीता वनवास न जाए। इस विषय पर सीता की इच्छा और श्रीराम, कौशल्या की इच्छा अलग-अलग थी। आज के समय में सास, बहू और बेटा, इन तीनों के बीच मतभेद होते हैं तो परिवार में तनाव बढ जाता है, लेकिन रामायण में श्रीराम के धैर्य, सीताजी और कौशल्याजी की समझ से सभी मतभेद दूर हो गए।

#### ऐसे समझी राम के मन की बात:

केवट की नाव में जब सीता ने श्रीराम के चेहरे पर संकोच के भाव देखे तो सीता ने तुरंत ही अपनी अंगूठी उतारकर उस केवट को भेंट में देनी चाही, लेकिन केवट ने अंगूठी नहीं ली। केवट ने कहा कि वनवास पूरा करने के बाद लौटते समय आप मुझे जो भी उपहार देंगे मैं उसे प्रसाद समझकर स्वीकार कर लूंगा।

#### सीता में थे ये सभी गुण:

स्त्री में ऐसे कई श्रेष्ठ गुण होते हैं जो पुरुष को अपना लेना चाहिए। प्रेम, सेवा, उदारता, समर्पण और क्षमा की भावना स्त्रियों में ऐसे गुण हैं, जो उन्हें देवी के समान सम्मान और गौरव प्रदान करते हैं।



हिंदू धर्म में एकादशी का बहुत अधिक महत्व है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से कई गुना अधिक फल मिलता है। इसी तरह इस माह वरुथिनी एकादशी है जिसके बारे में माना जाता है कि सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

असहनीय होने पर उन्होंने भगवान विष्णु को दुःख हुआ। भगवान ने उससे कहा- हे वत्स स्मरण किया। तब भगवान विष्णु ने वहां दुःखी मत हो। भालू ने जो तुम्हें काटा था, वह तुम्हारे पूर्व जन्म के बुरे कर्मों का फल था। तुम अपने पैर खा लिए जाने से राजा को बहुत मथुरा जाओ और वहां जाकर वरुथिनी एकादशी

का व्रत रखो। तुम्हारे पैर फिर से वैसे ही हो जाएंगे। राजा ने आज्ञा का पालन किया और पुनः सुंदर अंगों वाला हो गया।

इस एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। वह इस दिन प्रातः स्नान करके भगवान को स्मरण करते हुए विधि के साथ पूजा करें और उनकी आरती करनी चाहिए साथ ही उन्हें भोग लगाना चाहिए। इस दिन भगवान नारायण की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही ब्राहमणों तथा गरीबों को भोजन या फिर दान देना चाहिए। यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है। इस व्रत को करने से समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है।

## सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याएं दूर होती है

सम्मोहन कृष्णा मन्त्र। श्री कृष्ण का यह एक दुर्लभ स्वरूप है। इस स्वरूप में राधा और कृष्णा एक साथ एक ही रूप में जुड़े हुए हैं। शिव पारवती के अर्धनारीश्वर रूप से मिलता जुलता यह स्वरूप है। इस चाबी के साथ ही सम्मोहन कृष्णा मंत्र का जाप किया जाता है।

सम्मोहन कृष्णा मंदिर मोहनगर, तमिल नाडु में है तथा मंत्र निम्नलिखित है -

II श्रि सम्मोहन गोपल मन्त्रम् II  
क्रिस्नम् कमलपश्राक्षम् धिव्याभर्न भूशितम् I  
श्रिबन्कि ल्लिथाकारम् अशिसुन्धर मोहनम् II  
बाकम् धक्षिनम्पुरुशम् अन्यथ् स्थ्रे रूपिनम् थधा I  
सन्कम् छक्रम् सान्कुसन्ज्ज पुश्रभानम्छ पन्कजन् II  
इक्षुसापम् वेनुवाध्यम्छ धारयन्थम् पुजाशतकैःI  
स्वेधगन्थानु लिथ्थान्कम् पुश्रपवस्थ् थ्रकुज्वलम् II  
सर्व कामार्थ्थ् सिध्यर्थम् मोहनम् क्रिशनमास्थे //  
सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याएं दूर होती है , मनचाहा जीवन साथी प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन में सद्भाव बना रहता है।



## ये शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है

#### पारद शिवलिंग पूजन विधि एवं साधना घर में पारद शिवलिंग

सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है। दुकान, ऑफिस व फैक्ट्री में व्यापारी को बढ़ाने के लिए पारद शिवलिंग का पूजन एक अचूक उपाय है। शिवलिंग के मात्र दर्शन ही सौभाग्यशाली होता है। इसके लिए किसी प्राणप्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं है। पर इसके ज्यादा लाभ उठाने के लिए पूजन विधिक की जानी चाहिए। सर्वप्रथम शिवलिंग को सफेद कपड़े पर आसन पर रखें। स्वयं पूर्व-उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठ जाएं। अपने आसपास जल, गंगाजल, रोली, मोली, चावल, दूध और हल्दी, चन्दन रख लें। सबसे पहले पारद शिवलिंग के दाहिनी तरफदीपक जला कर रखें। थोड़ा सा जल हाथ में लेकर तीन बार निम्न मन्त्र का उच्चारण करके पी लें। प्रथम बार ऊँ मृत्युभञ्जय नमः दूसरी बार ऊ नीलकण्ठाय नमः तीसरी बार ऊँ रुद्राय नमः चौथी बार ऊँ शिवाय नमः हाथ में फूल और चावल लेकर शिवजी का ध्यान करें और मन में ऊँ नमः शिवायक्क का 5 बार

स्मरण करें और चावल और फूल को शिवलिंग पर चढ़ा दें। इसके बाद ऊँ नमः शिवाय का निरन्तर उच्चारण करते रहे। फिर हाथ में चावल और पुष्प लेकर ऊँ पार्वत्यै नमःक्कमंत्र का उच्चारण कर माता पार्वती का ध्यान कर चावल पारा शिवलिंग पर चढ़ा दें। इसके बाद ऊँ नमः शिवाय का निरन्तर उच्चारण करें। फिर मोली को और इसके बाद बनेऊ को पारद शिवलिंग पर चढ़ा दें।

इसके पश्चात हल्दी और चन्दन का तिलक लगा दें। चावल अर्पण करे इसके बाद पुष्प चढ़ा दें। मीठे का भोग लगा दें। भांग, धतूरा और बेलपत्र शिवलिंग पर चढ़ा दें। फिर अन्तिम में शिव की आरती करे और प्रसाद आदि ले लें। जो व्यक्ति इस प्रकार से पारद शिवलिंग का पूजन करता है इसे शिव की कृपा से सुख समृद्धि आदि की प्राप्ति होती है। भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की ओर मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बेंटें, बल्कि उत्तर को ही बेंटें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पन्न होता है। शुक्रवार के दिन किसी स्वच्छ पात्र में पारद-पारस गुटिका स्थापित कर दें, फिर एक सौ आठ कमल के ताजे पुष्प पहले से ही मंगा कर पास रख लें फिर एक कमल का पुष्प हाथ में लें और निम्न मंत्र का ग्यारह बार उच्चारण कर, कमल का पुष्प पारद-पारस गुटिका पर चढ़ा दें। प्रयोग सम्पन्न होने पर उन कमल की पंखुडियों को पूरे घर में बिखरे दें। अभाववश कमल के पुष्प की जगह गुलाब का पुष्प भी प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र इस प्रकार है - ऊँ ऐं ऐं श्रीं श्रीं हीं हीं ऊँ इस प्रकार श्रावणमास में यह प्रयोग सात दिन तक करने पर व्यापार में आश्चर्यजनक वृद्धि होने लगती है और जीवन में आकस्मिक एवं अतुलनीय धन प्राप्त होता है। इस अभिषेक से प्राप्त जल अनेक बीमारियों को नष्ट करने वाला होता।

भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की ओर मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बेंटें, बल्कि उत्तर को ही बेंटें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पन्न होता है।

## इन चीजों को दोबारा न करें गर्म नहीं मिलेगा कोई लाभ!

ताजा भोजन खाना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायिक होता है लेकिन अधिकतर घरों में बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करके खाया जाता है। भोजन को पकाने के बाद उसे ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। हमारे भोजन में कई ऐसी चीजें शामिल हैं, जिन्हें दोबारा गर्म करके खाना जहर के समान होता है। आज हम आपको बताते हैं कि कौन सी चीजों को दोबारा गर्म करके नहीं खाना चाहिए।



### आलू

आलू का इस्तेमाल ज्यादातर हर सब्जी में किया जाता है। आलू सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं लेकिन इन्हें पकाकर ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। पके हुए आलू को ज्यादा देर तक रखने से इनमें पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। इसे दोबारा गर्म करके खाने से नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

### चिकन

ताजा बना हुआ चिकन सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन चिकन को दोबारा गर्म करके खाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। चिकन को दोबारा गर्म करके खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।



### चुकंदर



चुकंदर को दोबारा गर्म करने से इसमें मौजूद नाइट्रेट समाप्त हो जाता है। बेहतर है कि बचे हुए चुकंदर को फ्रिज में रख दें और खाने से कुछ घंटे पहले फ्रिज से बाहर निकाल दें। इसे बिना गर्म किए खाएं।

### मशरूम

मशरूम में प्रोटीन अधिक मात्रा में पाया जाता है। मशरूम को दोबारा गर्म करके खाने से इसमें मौजूद प्रोटीन का कॉमोजिशन बदल जाता है, जोकि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।



### पालक



पालक को दोबारा गर्म करके खाने से इसमें मौजूद नाइट्रेट कुछ ऐसे तत्वों में बदल जाते हैं, जिससे कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

### नजर को नुकसान पहुंचाता है धूम्रपान

धूम्रपान करने सेहत के लिए बहुत हानिकारक है, इसके पैकेट पर भी यही लिखा होता है। फिर भी हम धूम्रपान करते हैं। अमेरिकी सरकार की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि धूम्रपान से न केवल फेफड़ों का कैंसर होता है बल्कि इसके कारण अंधापन, डायबिटीज, लीवर का कैंसर और पौरुष में कमी जैसी बीमारियां भी होने लगती हैं। तबका हमारे शरीर साथ आखों को भी प्रभावित करता है।



### खतरनाक हो सकती है हाइपोजेनिक स्टेज

अक्सर आप जब रात में गहरी नींद में सो रहे होते हैं तो अचानक आपको झटके आने लगते हैं। आमतौर पर ऐसा तब होता है जब रात में सपने देख रहे होते हैं। इसे हाइपोजेनिक जर्क कहा जाता है। माना जाता है कि लगभग 70 प्रतिशत लोग इस स्थिति को महसूस करते हैं रात के समय में एक्सरसाइज शरीर की उल्टेजना को कम करने के साथ ही कैफीन का कम सेवन इसका बेहतर इलाज हो सकता है।



### कॉस्मेटिक

उत्पादों व साबुन में ऐसे कई रसायनों का उपयोग हो रहा है, जो कि त्वचा के लिए खतरनाक है। यहां तक कि इनके ज्यादा इस्तेमाल से कैंसर तक हो सकता है। लिपस्टिक में कैमिकल होता है। यह हठों की नमी खत्म कर देती है। इसमें लीड भी होता है, जो कि रंग को गाढ़ा करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।



## ज्यादा कॉस्मेटिक्स त्वचा के लिए हानिकारक...

लीड से दिमाग संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसी तरह मॉश्चराइजर में डिटर्जेंट जैसे कई कैमिकल मिले होते हैं। जो स्किन को खराब करते हैं। नेचरल ब्यूटी को खत्म कर देते हैं। नेलपॉलिश में एसीटोन होता है जो आपके नाखूनों को कमजोर बनाता है और उन्हे काफी नुकसान पहुंचाता है।

टेल्कम पाउडर में सिलिकेट्स टेल्क पड़ा हुआ होता है जो न केवल एक रासायनिक तत्व है बल्कि इसमें कैंसर कर देने वाले तत्व भी मौजूद होते हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरमेंट (सीएसई) की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है कि कॉस्मेटिक में मरकरी, क्रोमियम, टार, निकेल जैसे खतरनाक कैमिकल होते हैं।

### बेन्जोल पैरॉक्साइड

मुंहासों के उपचार के लिए बनने वाले उत्पादों में इस रसायन का उपयोग किया जाता है। हालांकि यह बहुत कम मात्रा में प्रयोग किया जाता है। इससे त्वचा में रूपापन होने के साथ खुजली भी हो

जाती है। जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील है, उन्हें इससे जलन, खुजली व सूजन आदि की परेशानी हो सकती है। इसे कैंसरकारक भी माना जाता है।

### ट्राइक्लोसन

बाजार में मौजूद कई एंटीबैक्टीरियल साबुन व सौंदर्य प्रसाधनों में इसका प्रयोग किया जाता है। इसके फायदे के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। हालांकि यह माना गया है कि यह रसायन त्वचा में खुजली पैदा करने के साथ थायरोइड हार्मोन की सामान्य क्रिया प्रभावित करता है।

### फॉर्मलडीहाइड

इसका प्रयोग सामान्यतः बॉडी वॉश, शैम्पू और कंडीशनर्स आदि में किया जाता है। माना जाता है कि यह एंटीबैक्टीरियल ग्रोथ रोकता है। कैंसर के कारणों की खोज करने वाली कई एजेंसीज के मुताबिक यह रसायन कैंसर का खतरा बढ़ाता है।



### पीईजी-6

साबुन में प्रयोग किए जाने वाला यह पदार्थ कैंसर का खतरा बढ़ाता है।

### पैराबेन

सौंदर्य प्रसाधनों में इसका प्रयोग प्रिजरवेटिव के रूप में किया जाता है। अधिकतर यह बॉडीवॉश, शैम्पू, साबुन और विलंजर्स आदि में मिलाया जाता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह रसायन महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ाता है।

### डी एंड सी येलो 11

स्किन केयर और अन्य ब्यूटी उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले रंगों को प्रिफि वस डी एंड सी (डूग प्रिपरेशंस एंड कॉस्मेटिक्स) कहा जाता है। यह रसायन तब तक ही सुरक्षित है, जब तक शरीर इसे न सोखे। आंखों के आसपास के बाहरी हिस्सों के लिए यह नुकसानदायक माना जाता है।

### खुशबू

इसका इस्तेमाल, साबुन, डियो, परफ्यूम, शैम्पू व विलंजर्स सहित ज्यादातर ब्यूटी उत्पादों में किया जाता है। इससे कई बार एलर्जी, खुजली या त्वचा संबंधी कोई अन्य परेशानी, सांस संबंधी तकलीफ होने के अलावा सिरदर्द या माइग्रेन आदि की समस्या हो सकती है।

## OIL सोखने के लिए न करें न्यूजपेपर का इस्तेमाल



अगर आप भी तले हुए खाद्य पदार्थों के ऑयल को सोखने के लिए न्यूजपेपर का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको बता दें कि न्यूजपेपर से तेल को पोछने और सोखने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। अगर आप लंबे वक्त से तेल को पोछने के लिए यह तरीका आजमा रहे हैं तो सबसे पहले अपनी आदत को बदलें और अपना हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं। न्यूजपेपर से तेल को सोखने और पोछने से इसमें मौजूद कैमिकल खाद्य पदार्थों में चले जाते हैं और आपको सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आपकी इस आदत की वजह से आपको कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं।

### कैंसर

न्यूजपेपर में इस्तेमाल होने वाली इंक काफी नुकसानदायक होती है। जब यह खाद्य पदार्थ तक पहुंचती है तो स्वास्थ्य संबंधी खतरों को और बढ़ा देती है। इससे कैंसर होने की संभावना भी रहती है।



### किडनी और लंग्स प्रभावित

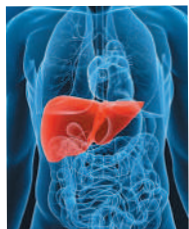
न्यूजपेपर में ग्रेफाइट पाया जाता है जब यह खाद्य पदार्थ के जरिए शरीर में पहुंचता है तो आपका शरीर विषैले पदार्थों को नष्ट करने में अक्षम हो जाता है। ऐसे में आपको लंग्स और किडनी संबंधी समस्या हो सकती है।

### किस चीज का इस्तेमाल करें

न्यूजपेपर से ऑयल सोखने और पोछने की जगह आप टिश्यू पेपर या फिर किचन पेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सबसे बढ़िया विकल्प है। इसके अलावा आप अखबार की जगह साधा पेपर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

## ताकि... लिवर हमेशा रहे चुस्त-दुरुस्त

लिवर में संक्रमण होने की स्थिति में उसे ठीक करना जरूरी होता है। शरीर में लिवर की भूमिका अहम होती है जो तमाम गंदगी और हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालने में सहायक होता है। असंयमित दिनचर्या और गलत खानपान की वजह से लिवर में संक्रमण हो जाता है। इसलिए लिवर को संक्रमण और दूषित तत्वों से मुक्त करना जरूरी होता है और इसके लिए आप घरेलू उपायों का सहारा ले सकते हैं। बेरी और चीया के बीज लिवर में जमा प्रदूषक तत्वों को जल्द बाहर करने में सहायक होते हैं। इन दोनों में एंटी-ऑक्सिडेंट भरपूर मात्रा में होता है जो लिवर में जमा गंदगी को साफ करता है। साथ ही इनके सेवन से पाचन संस्थान भी सही ढंग से काम करने लगते हैं। चुकंदर के रस को पीने से लिवर की गंदगी साफ होती है और लिवर दोबारा सही ढंग से काम करने लगता है। आंवला लिवर के लिए मद्भाग है। आंवला में काफी मात्रा में एंटी-ऑक्सिडेंट होते हैं जो लिवर को शक्ति प्रदान करते हैं और प्रदूषक तत्वों को निकाल बाहर फेंकने और संक्रमण मुक्त करने में सहायक होते हैं। इसलिए रोजाना एक ग्लास आंवला जूस का सेवन जरूर करना चाहिए।



## भावनाओं पर नियंत्रण और व्यवहार में आता है बदलाव

टाइप 2 मधुमेह के कारण व्यक्ति अच्छा जीवन नहीं जी पाता और अब शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह मस्तिष्क की खास क्षमताओं को भी घटा सकता है। शोध के मुताबिक, टाइप-2 मधुमेह से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर बुरा असर पड़ता है। इसमें भावनाओं पर नियंत्रण, व्यवहार और विचार आदि शामिल हैं।



### गतिविधियों को मापा...

कनाडा में वॉटरलू विश्वविद्यालय से संबद्ध शोध के मुख्य लेखक कॉरी विन्सेंट के मुताबिक, मस्तिष्क के कामकाज का यह पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि जब भी हम अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति के विपरीत कोई काम करने का प्रयास करते हैं या हमें ऐसा करने के लिए बाध्य होना पड़ता है तो हम पूर्ण रूप से मस्तिष्क पर निर्भर होते हैं। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने 70 शोधों की समीक्षा की है, जिसमें टाइप 2 मधुमेह के 9,815 मरीजों की तुलना मधुमेह के अन्य 69,254 मरीजों से की गई और उनके मस्तिष्क की प्रमुख गतिविधियों को मापा गया।

### कर सकते हैं बचाव...

वॉटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और वरिष्ठ लेखक पीटर हॉल के मुताबिक, सामान्य रूप से टाइप-2 मधुमेह के मरीजों में दोहरी बाधाओं की वजह से मस्तिष्क गतिविधियों के नियंत्रण की अधिक जरूरत हो सकती है। संभावित रूप से ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इस बीमारी का मस्तिष्क पर असर पड़ता है। विश्व में लगभग 60.0 करोड़ लोग टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं और 2030 तक ऐसे लगभग 80.0 करोड़ मामले सामने आने की संभावना है। ऐसे में जरूरी है कि जिंदगी जीने के तौर-तरीके में बदलाव लाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है।

### इन बातों का रखें ध्यान...

- विदेश में जाने से पहले आप जिस यूनिवर्सिटी से रटडी करना चाहते हैं पहले उसके सारे कोर्सज की जानकारी एकत्रित कर लें, जिससे वहां पहुंचकर आपको किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।
- विदेश में जाने से पहले आप जहां ठहरने वाले हैं चाहे वो किराए का कमरा हो या होटल हो उस जगह की पूरी जानकारी एकत्रित करें। वरना आपको वहां पहुंचने के बाद समस्या हो सकती है।
- विदेश जाने से पहले आप अपनी पैकिंग सही ढंग से करें और बैंक अकाउंट खुलवाना न भूलें ऐसा करने से आपको करंसी की समस्या नहीं रहेगी और बैंक अकाउंट उसी बैंक में खुलवाएं जो विदेश पहुंचने पर सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाए। अन्यथा आपको ट्रॉजेशन की समस्या से दो-चार होना पड़ सकता है।
- विदेश में पहुंचने के बाद आप अच्छे दोस्तों के साथ संपर्क में आएँ और उनके साथ मेल-जोल बढ़ाएँ।
- विदेश पहुंचने के बाद जाते ही नौकरी नहीं मिल जाती इसके लिए कुछ समय इंतजार करना पड़ता है और वहां पहुंचकर अच्छी कंपनियों की जानकारी एकत्रित करें जो पार्ट टाइम जॉब ऑफर करती हो ऐसा करने से आप इस जॉब से पॉकेट मनी तो निकाल ही सकते हैं, जिससे आप अपने खर्च पूरे कर सकें।
- विदेश पहुंचने के बाद अगर वहां पर कोई समस्या भी आ जाए तो आप अपना सेल्फकोर्फिडेंट कभी न खोएं बल्कि उस समस्या को सुलझाने का प्रयास करें व ज्यादा परेशान न होकर उसका हल निकालने का प्रयास करें।



आजकल हर बच्चा अपना कैरियर बनाने के लिए विदेश जाना जाता है और वहां पर पढ़ाई करने के साथ-साथ अपने रोजगार के साधन भी तलाशने लगता है। विदेश जाना कोई गलत बात नहीं, लेकिन विदेश जाने के लिए बच्चे में सेल्फकोर्फिडेंस होना चाहिए और साथ-साथ पूरी जानकारी एकत्रित करने के बाद ही विदेश में पढ़ाई करने का प्रोग्राम बनाना चाहिए। इन बातों को ध्यान में रखकर ही विदेश में पढ़ाई करने जाएं।

### रेसिपी



### विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरूरत हो उतने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गुंथ लें। आटे को 10 बराबर भाग में बांट लें और थोड़े सूखे गेहूं आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक परांठे को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। और तुरंत परोसें।

### सातधान पराठा

#### सामग्री

1/4 कप गेहूं का आटा, 1/4 कप ज्वार का आटा, 1/4 कप बाजरे का आटा, 1/4 कप रागी का आटा, 2 सून् बेसन, 1/4 कप मकई का आटा, 2 सून् चावल का आटा, 1/4 कप कच्ची हुई लौकी, 1/2 कप कसा हुआ गाजर, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून लसून का पेस्ट, 1/2 सून् हल्दी पाउडर, 1 1/2 सून् ताल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, **बेलने के लिए:** गेहूं का आटा, 2 1/2 सून् तेल, पकाने के लिए

### टमेटो राईस

#### सामग्री

**मसाला के लिए:** 2 सून् नारियल का तेल, 6 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च, 2 सून् खड़ा धनिया, 1 सून् चना दाल, 1 सून् उड़द दाल, 1/4 सून् मेथी दाने, 1/2 सून् हींग, 2 सून् सूखा कसा नारियल, **अन्य सामग्री:** 3/4 कप टमाटर पल्प, 1/2 सून् हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार, 1 सून् नारियल का तेल, 2 सून् घी, 1 सून् सरसों, 3 सून् मूंगफली, 6-7 कड़ी पत्ते, 2 सून् बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप कटा हुआ प्याज, 2 1/2 कप पके हुए चावल



### विधि

**मसाला के लिए:** एक छोटे पैन में तेल गरम करें, सभी सामग्री डालकर मध्यम आंच पर 4-5 मिनट या इनमें से सौम्य खुशबू आने तक, लगातार हिलाते हुए भून लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। टमाटर का पल्प, हल्दी पाउडर और नमक को एक पैन में अच्छी तरह मिला लें और 5-7 मिनट के लिए या मिश्रण के गाढ़ा होने तक धीमी आंच पर, लगातार हिलाते हुए उबाल लें। तैयार मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें और एक मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। एक तरफ रख दें। एक कढ़ाई में तेल और घी गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, मूंगफली और कड़ी पत्ते डालकर, धीमी आंच पर मूंगफली के सुनहरा होने तक, लगातार हिलाते हुए भून लें। हरी मिर्च और प्याज डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 4-5 मिनट के लिए भून लें। पका हुआ टमाटर पल्प, चावल और जरूरत हो तो नमक डालकर हल्के हाथों मिला लें और धीमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। गरमा गरम परोसें। **सुलभ सुझाव:** 3/4 कप टमाटर के पल्प के लिए, 4 मध्यम टमाटर को मिक्सर में डालकर पीस लें और मुलायम मिश्रण बना लें। इसे डीप फ्रीजर में 6 से 8 दिनों तक रखा भी जा सकता है।

## संपादकीय

## ‘विदेशी साजिशों’ की राजनीति

## विदेशी

ताकतो की साक्षिण एक राजनीतिक मुद्दावर बन कर रह गया है। यह आज की राजनीति में हो रही नहीं, बल्कि इंदिरा गांधी ने भी अपने प्रधानमंत्री लाल के दौरान जयप्रकाश नारायण और मेरालजी देसाई को 'सीआईए एजेंट' कर दिया था। जयप्रकाश लाल ने इस प्रश्नमंत्री को, तब नारायणन लालिया सखी समाजवादी नेता को 'विदेशी एजेंट' करार दिया गया था। भारत में ऐसा कोई भी प्रधानमंत्री नहीं हुआ, जिसके लालखंड में 'विदेशी ताकतो की साक्षिण और हस्तक्षेप' के आरोप न लगाए गए हों। आज तारुण्ड भाजपा यह आरोप नेता प्रपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी पर चर्चा करने में जुटा है। तब तक बयान दिए गए हैं कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं, वहाँ सदस्य लोगों से मिलते हैं, तब तक साक्षिण तैयार करते हैं और फिर भारत लौट कर देश-विरोधी एजेंडा लागू करते हैं। यह राजनीति मुद्दाहीन, नागरिक समस्याओं के एक संकटों से निबटने और देश को रक्षा करने की नीति नहीं चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में एक संकटों से निबटने की नीति नहीं चाहिए। लोकप्रतिक एक सार्वजनिक मंच पर कहा कि 'फेडरल प्रोडक्ट' को लाना करने

भारत में ऐसा कोई भी प्रधानमंत्री नहीं हुआ, जिसके कार्यकाल में 'विदेशी ताकतों की साजिश और हस्तक्षेप' के आरोप न लगाए गए हों। आज सत्तारूढ़ भाजपा यह आरोप नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी पर चरपा करने में जुटी है। यहां तक बयान दिए गए हैं कि राहुल गांधी विदेश जाते हैं, वहां संदिग्ध लोगों से मिलते हैं, उनके साथ साजिशें तैयार करते हैं और फिर भारत लौट कर देश-विरोधी एजेंडा लागू करते हैं। यह राजनीति मुद्दाहीन, नागरिक समस्याओं और संकटों से विरक्त और देश को स्वीकृति नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में एक कदम आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का नाम नहीं लिया, लेकिन एक सार्वजनिक मंच से कहा कि 'फेल्ड प्रॉडक्ट' को लॉन्च करने के लिए कुछ लोग देश की प्रतिपक्षा को ही मिट्टी में मिला देने पर तुलें हैं। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर कांग्रेस को 'परजनी' कर दिया और कहा कि कांग्रेस के एक परिवार से ही पार्टीवाले परेशान और दुखी हैं। कांग्रेस नेता जब अकेले में मिलते हैं, तो वे अपनी पीड़ा और अन्याय बयां करते हैं। आखिर एक ही 'फेल्ड प्रॉडक्ट' को कितनी बार लॉन्च किया जाएगा? इतनी लॉन्गिंग तो श्रीहरिकोटा में भी नहीं होती, जितनी कांग्रेस में एक ही आदमी की हुई है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया जानती है कि कांग्रेस में वह परिवार और वेहरा कौन हैं और 'फेल्ड प्रॉडक्ट' को किस कहा जा रहा है? देश में आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। राहुल गांधी की राजनीतिक को 'अराजक' और 'हंगामाखेज' और 'प्रॉडक्ट डाली' करार दिया जा रहा है।

मौदी सरकार के प्रवक्ता आज तक यह स्पष्ट नहीं कर पाए हैं कि 'विदेशी सांजिण' में कौन-कौन साजित रहा है और किसने, कितनी फंडिंग की है। ले-देकर जॉर्ज सोरोस का नाम भी दोहराया जाता है। दुनिया जानती है कि वह वैचारिक तौर पर भारत के खिलाफ रहा है और भारत-विरोधी भी था। नयाजवी की कता रहा है। उसी सरकार ने साढ़े 12 साल के कालखंड में उसे 'भारत का दुश्मन' कर क्यों नहीं दिया ? उसके खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू क्यों नहीं की ? भारत के पड़ोसीओ को उसकी फंडिंग क्यों नहीं रोकी ? क्यों प्रतिबंधित नहीं किया ? देश-विरोधी सांजिण, अंतर, रेसट्रांड होता है और उसका बाकायदा नया कानून भी पैसूनी है। सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन तो संवैधानिक अधिकार है। जन-सैलाब से मजबूत हो सक्ती है, लेकिन वह देश के खिलाफ विदेशी सांजिण केसे हो सक्ती है ? जगहजगह के मसलों पर विरोध प्रदर्शनों को तो इजाजत होनी चाहिए।

કુદર

# अल

## भगवान को नेता का आशीर्वाद

**भगवान** विंतिथे था। नीचे जीवन लोक से यह खबर खराब थी। भूरी के लोग आशीर्वाद लेने के निमित्त नेताओं के पास जा रहे हैं। धीरे-धीरे आशीर्वाद अर्थ नेताओं से जुड़ रहा था। जनता श्रेय देने के लिए आशीर्वाद के पर्यायवाची शब्द का प्रयोग करने लगी। इस तरह भगवान के अस्तित्व से कहीं भगवत नेताओं का चरित्र नग्न आने लगा। भगवान इस बात से खुफा थे कि कहीं कहीं विकास हो रहा था, जनता इसे नेताओं का आशीर्वाद मानी, लेकिन बहुत पुराने, गिरते इमारतों और टूटते रास्तों पर अप्रसन्न जनता के केवल भगवान को याद करने लगी है। भगवान आज तक आशीर्वाद देते आए थे, लिहाजा उनकी मनुष्य मुक्त एसी थी, लेकिन अब नेताओं के हाव भाव भगवान की तरह हो गए। आशीर्वाद को अपनी अस्मिता शक्ति के साथ भगवान भगवान को पर उतर आए। उन्होंने दोहा शहर चौक पर एक भिखारी बैठा है और जिस नगर निगम के कर्मचारी हटा रहे थे।

## दृष्टि

## कोण

# अमरीका से व्यापार समझौते की उम्मीद

**हाल** ही में 21 अक्टूबर को अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और अमरीका एक नए व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के ब्रेकद कर्तव्य हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया कि दोनों देश समझौता करने के इच्छुक हैं। और यह नया सौदा फिखले सभी द्विपक्षीय समझौतों से कारगर अलग होगा। ट्रंप का यह बयान अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के कहानियाँ भारत देश के दौरान आया। मार्को ने 20 से 22 अक्टूबर के बीच भारत देश के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य शीर्ष नेताओं के साथथ व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा सहयोगों के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। रूबियो ने रिलायंस, इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आइआईएल) के जामनगर संयंत्र का

दौरा किया और भारत की इस अनूठी  
 रिकार्पिंगि क्षमता की सहजाना की। खबरो  
 ने यह भी कहा कि भारत-अमरीकी व्यापार  
 वार्ता अब अंतिम और तकनीकी स्तर पर  
 पहुँच चुकी है। उल्लेखनीय है कि पिछले  
 कुछ दिनों में वैश्विक भू-राजनीति और  
 आर्थिक मानचित्र पर भारत और अमरीका  
 के संबंध एक अत्यंत महत्वपूर्ण और  
 रणनीतिक साझेदारी के रूप में उभरे थे,  
 लेकिन वर्तमान परिदृश्य में ये संबंध  
 अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई  
 आर्थिक नीतियों, संरक्षणवादी दृष्टिकोण  
 और सख्त और रणनीतिक के कारण एक  
 चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील मोड़ पर खड़े  
 दिखाई दे रहे हैं। आज भारत के समक्ष एक  
 तरफ अमरीकी बाजार में अपने मजबूत  
 निर्यात को सुरक्षित रखने की चुनौती है, तो  
 दूसरी तरफ रूस से सियाचिनजी दरों पर अपनी



ऊर्जा जरूरतों की निबांधा आपूर्ति सुनिश्चित करने का रणनीतिक संतुलन साधने का दावा है। इस खींचतान के बीच हालिया अमरीकी नीतिगत फैसले, बीजा नियमों में अत्यधिक सख्ती, जैनेरिक दवाओं पर प्रस्तावित शुल्क की चुनौतियों के बावजूद अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री रबियो की हालिया सकारात्मक टिप्पणियों से भारत और अमरीका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटिए) एक

नई पटकथा के साथ उभरते हुए दिखाई दे रहा है। इसमें कोरे दो मत नहीं हैं कि 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद से लेकर 2016 तक भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में एक प्रभावी दौर देखने को मिला। वर्ष 2000 में दोनों देशों के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार लगभग 6 गुना बढ़कर अद्भुतपूर्ण स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान अमरीकी बाजार में भारतीय आईटी सेवाओं, फार्मास्यूटिकल उत्पादों, कपड़ों और रत्नों की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ, जिससे भारत की आर्थिक सफलता वैश्विक स्तर पर स्थापित हुई। इस आर्थिक समझौते को 2008 के ऐतिहासिक असेंशन प्रमिति को समझौते और 2016 के परमाणु समझौते के बाद से गहराई में मिलने मेजर डिफेंस पार्टनर के दर्जे से गहराई में मिलने तक मिला। तथा, व्यापार और

प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के नए द्वा  
खुलने के साथ-साथ भारतीय सूचना  
प्रौद्योगिकी यानी आईटी कंपनियों का  
टीसीएस, इन्फोसिस और विप्रो ने अमेरिकी  
अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया  
इस दौरान एन-1बी वोजो नीति ने भारतीय  
कुशल पेशेवरों को अमेरिकी में कार्य कर  
और वैश्विक पहचान बनाने के पर्याप्त  
अवसर प्रदान किए। निवेश के दृष्टिकोण  
भी यहाँ दूर बेहद समृद्ध रहा, जहाँ 2000 से  
2016 के बीच माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, जेबी  
आईबीएम और बॉस जे सी शीप अमेरिकी  
कंपनियों ने भारत के तत्कालीन  
ईफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल और रक्षा क्षेत्र  
में भारी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश या  
एफडीआई किया। साथ ही भारतीय  
कंपनियों ने भी अमेरिकी बाजार में अपने  
उपस्थिति में बृद्धि कराई।

भीतर किसी न किसी 'वाद' में संलिप्त शोध को परंपरापर सिर्फ पीएचडी को डिग्री जबकि न हिमाचा नहीन वजुद को पहचाना और न ही सभ्यता-संस्कृति परंपराओं को परिमार्जित कर पाया। कारण है कि युवाओं में नवाचार के प्रति सम्पूर्ण भाव सामने नहीं आया। जे. विमर्श के नक्शे बदल रहे हैं, लेकिन जवाब चक्षु बंद हैं। मंदिर परिसर बड़े हो रहे लेकिन आरती की परंपराएं छोटी हो रही हैं। आश्चर्य यह कि इस आत्मश्रद्धा में सरलता का नाप तोल जात रहे हैं। हम खड्डों के ऊपर सामंजस्य को समुद्र समझ रहे हैं और वे के बाद ही त्रासदी का मतलब समझ रहे हैं। गाडियों के शेर में हमने शिमाला से उमके पर पूरा प्रेशर हर हुकूमत के जलवे से संस्थान बचे अपने न ही बुद्धिजीवी अपनी पीढ़ी पर चार लोग बैठते हैं, तो यह तमशा भी

जता, जबकि लोक परंपराएं लुप्त हो रही हैं। सांस्कृतिक समारोहों की रीनक के लिए 'माइक' बिक जाते हैं और कोई पंजाबी का मशहूर सिंगर 'लिप सिंगिंग' करके भारी राशि ले जाता है। पिछले कुछ सालों से शिक्षामाला-लेमणशाला के अलावा मंडी व हमीरपुर में भी फिल्मों के आर्ट, मजमून, आदायगी और तकनीक पर न केवल प्रदर्शन हुए, बल्कि ऐसी चर्चाएं हुईं जिनसे यहां की प्रतिभाओं को वैचारिक गति मिली।

भारत में हालिया आंदोलनों की शुरुआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई

## एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन

**यह** कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय  
समस्या बलों और सरकार पर उसकी

कारवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठाया हो। कश्मीर घाटी में आर्क की मासूम खुन बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोइसे सवाल नहीं उठाया, लेकिन जब बी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कारवाई की, उनके समर्थकों को सीखों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उन उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कारवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठाते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉंकरोच जनता पार्टी के बीस खुलाफ के संसद मार्च के दौरान को हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सी मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल हुए असामाजिक और अराजक तत्व उसका कारवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। दुनिया की उदार से उदार समझी जाने वाली शासद ही कोई सरकार होती, जो अपनी संसद में उपद्रवियों को घुसने की राह देती। सीएफ़ अगर, उन दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्फाचियन में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता ? निश्चित तौर पर इन सवाल का जबाब सफ़र ना है। भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी 'कॉंकरोच जनता पार्टी' बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के उत्तर-मंजर पर डेर डाल दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलनों को शांक अक्टूबर के रूप में देखा जाता है। मर्यादित आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों के जरिए लोकतांत्रिक समाज अपने गुस्से का इशवार कर रहा है। समझदार सरकारों भी सीमित और मर्यादित



आंदोलनों को लोगों के गुप्से की अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में लेती रही है। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुप्सा निकालकर शो हो जाता है। लेकिन धुसान रखना चाहिए कि लोगों के अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताकत में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते हैं। भी घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। क्रांतिचरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेजुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक बलों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तब नीट और दूसरी प्रतीक्षाओं में धांधली होकर की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दायरे की शोत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलुकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशलिस्ट मीडिया पर उर्जनीत अंदज में प्रस्तुत भी किया गया। फिर भी सरकार की तंत्र रम्यत रह। सुरक्षा बलों के नरम बलूके के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लतात था कि अगर युवाओं के के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआई के

लियाला और मुण्डा निवांजन आयुवत जोगेश कुमारी के इस्तीफे की मांग की और बढ़ा, इसने राजनीतिक दल ले लिया। लिपेन्द्र तौर पर इस पुरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोर्चे पर कांग्रेस की अनुआई में विपक्षी दल दिखे। लेकिन आसुर्य पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनका संपर्ककों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह सशस्त्र विद्रोह प्रतिक्रिया संसद में लेकर आंदोलन को हिसक होने से रोकने में मफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहना जा सकता है। लेकिन त्योहार मौसम में कारोबार नुकसान पहुंचा रहे कर्नाट प्लेस के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूलू बात नहीं है। इसे सफासफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही। दुर्भाग्य यह कि चाहते

एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमनराइट्स वा या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दो बार गालियों की और ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली खिलफा हुए आलोचनों के दौरान पुलिस कार्यकर्ता पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति पेशे विशेषज्ञों का किता जताना दरअसल मामले का एक तरफ सज्ञान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूएनसीआईआर की खिल रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के अपमानाधिकारपूर्ण नीतियां अपनाए और उनके खिला नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। संगठन विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम या एसआईआर और कैफे आतंकवाद-विरोधी कानूनों, मसलन यूरोपीय के दुरुपयोग का आरोप पर आरोप लगाते रहे। उनका कहना है कि इस नियमों-कानूनों के जरिए मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, एनजीओ और आलोचकों के आवाज दबाई जा रही है। साथ ही, सरकार आलोचना करने वाले पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से निशाना बनाया जा रहा है, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दायरा सिकुद्ध रहा है। मानवाधिकार संगठन च जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली जिस तरह सुरक्षा बलों में खुद पर हुए हमलों का बस तह सजाई कार्रवाई में संयम दिखाया, उस तरीफ होनी चाहिए। दरअसल श्रेष्ठताओं के प्रदर्श पश्चिमी समाज और उसके कथित मानवाधिकार संगठनों का नजरिया विशेषकर तीसरी दुनिया देशों के लिए एकतरफा ही रहा है। बेशक भाषा और अक्षर रूप से दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति ब चुका है, लेकिन आज भी भारत को लेकर उन सोच पुगुनी रही है। जिसे अजब देश की अधिसंख जनता समझने लगी है, इसीलिए अब ऐसे आरोप और पर्यवेक्षण से भारतीय मानस उस तरफ प्रभावित नहीं होता, जैसा अतीत में होता रहा है।

## देश

## दुनिया से

# डिजिटल भारत : बदलती तस्वीर और चुनौतियां

मेरे पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीक ने हमारे दैनिक जीवन को काफी बदल दिया है। कभी बिजली का बिल जमा करने, पैसे जमा करने या सरकारी प्रमाणपत्र बनवाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था। आज इनमें से अनेक काम मोबाइल फोन पर एक क्लिक या सकेत से। वर्ष 2015 में प्रथममंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए डिजिटल इंडिया अभियान ने देश में डिजिटल सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि इस बदलाव के साथ एक सवाल भी जुड़ा है कि क्या इन सुविधाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? डिजिटल इंडिया का सबसे बड़ा उद्देश्य सरकारी सेवाओं को आम नागरिक के लिए सरल और सुलभ बनाना रहा है। आज अनेक सरकारी प्रमाणपत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन करना या जकता है। डिजिटल कार्ड जैसी सुविधाओं ने जरूरी दस्तावेजों को सुरक्षित रखने और आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध कराने का रास्ता आसान किया है। इससे लोगों के समय और पैसे की बचत हुई है। लेकिन कई बार वेबसाइट ठीक से काम नहीं करती या आवेदन लंबे समय तक लंबित रहते हैं। ऐसी स्थिति में नागरिक को वही पुराने रेशमी अंजीन पडती है जिससे बचाने के लिए अनादिन व्यवस्था बनाई गई थी। इसलिए तकनीक के विस्तार के साथ शासनिक जवाबदेही भी जरूरी है। डिजिटल भुगतान ने भी भारतीय समाज में बड़ा बदलाव लाया है। आज छोटे कानानदार, सब्जी विक्रेता और रेहड़ी लगाने वाले भी यूपीआई से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। इससे नकद पैसे रखने की जरूरत कम हुई है और लेन-देन अधिक विधिवानुसार बना है। हालांकि इसके साथ



अनिर्वाहन थोड़ा खड़ा की घटनाओं ने नई चिंताएं पैदा की हैं। फर्जी संदेश, अज्ञान, अविश्वास और ओपेनो के माध्यम से ठगी के मामले बताते हैं कि डिजिटल सुविधाओं के साथ लोगों को साइबर सुरक्षा की जानकारी देना भी आवश्यक है। सरकारी योजनाओं की लापरवाही से लोगों के बैंक खातों में पहुंचाने की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण कदम है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से बिजौलियों की भूमिका कम करने में सहायता मिली है। फिर भी कुछ लोगों को आधार, बैंक खाते या तकनीकी समस्याओं के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्गों और कम पढ़े-लिखे नागरिकों के लिए ये प्रक्रियाएं असहज हैं। ऐसी स्थिति में सहायता केंद्रों और वैकल्पिक व्यवस्थाओं की भूमिका बढ़ जाती है। किसी पात्र व्यक्ति को केवल तकनीकी समस्या के कारण सरकारी सहायता से वंचित नहीं होना चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी डिजिटल तकनीकों उपयोगिता बढ़ी है। अनिललाइन कक्षाओं, अध्ययन समूहों और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों

के लिए नए अस्सर पैदा किए हैं। इसी प्रकार स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और जिज्ञासु रिश्कों से मरीजों को सुविधा मिल सकती है। है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य मात्र परिवारों को उपचार के खर्च से राहत देना है। लेकिन यह भी समझना होगा कि डिजिटल कार्ड, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों या प्रमाणपत्र अर्पण आदि बेहतर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं की गारंटी नहीं हैं। इनके लिए अच्छे संस्थान, प्रशिक्षित कर्मचारी और आवश्यक संसाधनों की चाहिए। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में डिजिटल सुविधाओं का महत्व और अधिक है। यहाँ अनेक गांव जिला मुख्यालयों और सरकारी कार्यालयों से काफी दूर स्थित हैं। किसी छोटे से काम के लिए भी लोगों को लंबी यात्रा करनी पड़ती है। हिमसेवा और लोकमित्र केंद्रों जैसी व्यवस्थाएँ इस दूरी को कम करने में सहायक हो सकती हैं। यदि गांव में ही प्रमाणपत्र, बिल भुगतान और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध हों, तो लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। प्रदेश के पर्यटन और बागवानी क्षेत्रों में भी डिजिटल तकनीक नई

भाषागर्भ लेकर आई है। छोटे हॉटल और होमस्टे संचालक ऑनलाइन बुकिंग से पटवें को तट पट्टे वहाँ है। बागवान मौसम की भाव और बाजार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे उनके लिए बेहतरीन निर्णय लेना संभव होता है। लेकिन पैदाईश क्षेत्रों में कमजोर मोबाइल इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या अब भी गंभीर है। कई दूरदराज के गांवों में इंटरनेट की गति इतनी कम होती है कि सामान्य ऑनलाइन आवेदन भरना भी मुश्किल हो जाता है। डिजिटल भारत को बढ़ावा देने में मौजूद डिजिटल असमानता है। शहरों में रहने वाले शिक्षित और आर्थिक रूप से सम्पन्न लोगों के लिए तकनीकी उपयोग अक्षमता आसान है। इसके विपरीत ग्रामीण परिवारों, बुजुर्गों और ग्रामीण नागरिकों के सामने अनेक कठिनाइयाँ हैं। स्मार्टफोन की कीमत, इंटरनेट का खर्च, भाषा की समस्याएँ और तकनीकी जानकारी का अभाव उन्हें पीछे छोड़ सकता है। इसलिए डिजिटल सेवाओं को केवल अंग्रेजी या कठिन प्रशासनिक भाषा तट सीमित नहीं रखना चाहिए। हिंदी और स्थानीय भाषाओं में सार्वजनिक उपलब्ध करना भी जरूरी है। एक अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न नागरिकों की निजी जानकारी की सुरक्षा का है। अब बैंक, पहचान और स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी जानकारी डिजिटल माध्यमों में दर्ज होती है। इसका गलत उपयोग लोगों के लिए गंभीर परेशानी पैदा कर सकता है। इसलिए सरकार और संबंधित संस्थाओं को डेटा सुरक्षा, शिकायत निवारण और साइबर जागरूकता पर लगातार ध्यान देना होगा। लोगों का विश्वास बनाए रखना किसी भी डिजिटल व्यवस्था की सफलता के लिए आवश्यक है। निस्संदेह डिजिटल इंडिया देश में सुविधाओं के नए रास्ते खोले है।

# हिमाचल

में आकर ज्ञान वचि  
अपना मौलिकचमि

को निचोड़कर व्यक्तिगत गहमगहमि में  
हिस्से की थोड़ी में गुन होना रास आ गया।  
रंग क्या है। देश भर की हस्तियां अपने  
स्वतंत्र अखिव्यक्ति, राष्ट्रीय सरोकारों औ  
। खुशवंत सिंह लिटरफेस्ट के हवाले  
कसीलौ के राष्ट्रीय मूल्य बत जातें हैं। इ  
बार भी 80 के फलक हस्तियां जब य  
पहुंची, तो संवाद के विषय लोकतांत्रिक स  
से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कम तथा चुप  
के आवरण से संस्थ के पदें तक चुराए  
लगाँ। हम इसे एक फलक का काफ़ीरम  
देखते हैं, लेकिन इस बहाने क्या कसीलौ  
को देख पाता है। पयंटन की आवभार  
कसीलौ का वज्रू कापात है। आप भी हैं ध  
और कदमों के नीचे प्राचीन पंथ को प  
क्या हमने चंडीगढ़ के नजदीक हिमाचल  
सबसे पहले स्पर्श यानी कि कसीलौ को  
लायक बनाया कि वहां पयंटन के फासले  
के नजदीक पहुँचें। हिमाचल में पर  
ब्राँडिंग के कई इस्टिरेन हैं और अगर  
शहरों में इवेंट होतें, तो प्रदर्श में सार्थक का  
पैदा होगी। वैसे हमारे नेताओं के प्रभुत्व  
प्रभाव से कहीं भी कोई सांस्कृतिक सम  
पैदा हो जात है। लेकिन संयुक्तियाँ दलान

के यज्ञ तो बहुतो ने लगे हैं, लेकिन प्रदेश के कहीं समाज का एक बड़ा पक्ष उपलब्ध नहीं लड़ गया, तो शहर होते नागरिकों को अपने खर जीवन का इवेंट बना है और महफिल-सैकड़ों मुँह लोकर कसौली के लिटफेस्ट में से बाहर निकालने का रास्ता ईजाद कर



देश भर की हस्तियां अपने साथ सैकड़ों मुँह लोकर कसौली के लिटफेस्ट की स्वतंत्र अभिव्यक्ति, राष्ट्रीय सरोकारों और द्वंद से बाहर निकालने का रास्ता ईजाद कर रहे हैं। खुशवंत सिंह लिटफेस्ट के हवाले से कसौली के राष्ट्रीय मूल्य बढ़ जाते हैं। इस बार भी 8 के करीब हस्तियां जब यहां पहुंची, तो सवाद के विषय लोकतांत्रिक घुटने से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक तथा पुस्तकों के आवरण से फिल्म के पर्दे तक चर्चाएं होने लगीं। हम इसे एक संस्था का कार्यक्रम होते देखते हैं, लेकिन इस बहाव क्या कसौली खुद को देख पाता है।

हमीर उत्सव भी स्थितिल हो जाता। आस यह कि कहीं भी भावव से कोई समारोह न स्तरीय पोषित हो जाता, जबकि लोक परंपरा लौन हो रही है। संस्कृतिगत समारोहों के रूप के लिए 'माइक' बिक जाते हैं और पंजाबी का महान् सिंगर 'लिप सिंगिंग' क भी राशि ले जाता है। पिछले अलावा मंडी शिमला-धर्मशाला के कुलाम मंडी हमीरपुर में भी फिल्मों के आर्ट, मज्जा अदायगी और तकनीक पर केवल प्रहृष्टि, बल्कि ऐसे चर्चाएं हुईं, जिनसे यह प्रहृष्टि आते को वैसाचिक गति मिली। वैसाचिक सरकारी समारोहों में साहित्य पर विवेक हुआ, लेकिन हम अकसर एक ही लकीरी पीटते हैं। साहित्य कदाभी और विभाज्य अयोजनों में कविता, कहानी, व्यंग्य या कथा से ज्यादा ध्यान उसकी भागीदारी में साहित्यकारों पर होता है। आश्चर्य की विभाग कहीं भी ओपन मंडी नहीं खोल पा रहे हैं। विविधचालियों को कोशठियां भी बंद पड़ती थीं कि किसी 'वाद' में सलितन शोध की परंपराएं सिर्फ पीछेचड़ी की डिग्रि जबकि न हिताचल अपने वजुक्त को सहे पाया और न ही भव्यता संस्कृति परंपराओं को परिमार्जन कर पाया। कारण है कि युवाओं में नवाचार के प्रति समर्पण के नवश समने नहीं आया। विकास के बंधे बंदले नहीं हैं, लेकिन जा चक्षु बंद हैं। मंदिर परिसर बड़े हो रहे हैं लेकिन आरती की परंपराएं छोटी हो रही हैं। आश्चर्य यह कि हम आत्संस्था में सरकारी का नाप तोत जीत रहे हैं। हम खड्डों के उज्जसमानज्यको समुद्र समझ रहे हैं और हर के बाद ही त्रासवी का मलबल समझ रहे हैं। गाडियों के शोर में हमने शिमला से उसके पर पुरा प्रवेश हर हुकूम के जलवे से संस्थाभवन और न ही बुद्धिजीवी अपनी भी पर चार लोग बैठते हैं, तो यह तमशा भी

पर्यटन की आवश्यकता में कसौली का वजूद कांपता है। कांपती है घरोहर और कदमों के नीचे प्राचीन पत्थर कांपते हैं। क्या हमने चंडीगढ़ के नजदीक हिमाचल के सबसे पहले स्पर्श यानी कि कसौली को इस लायक बनाया कि वहां पर्यटन वे फासले दिल के भी नजदीक पहुंचें। हिमाचल में पर्यटन ब्रांडिंग के कई इवेंटनेशन हैं और अगर इन शहरों में इवेंट चलें, तो प्रदेश में सार्थक ऊर्जा पैदा होगी। वैसे हमारे नेताओं के प्रभुत्व और प्रभाव से कहीं भी कोई सांस्कृतिक समारोह पैदा हो जाता है, लेकिन सियासत दलान पर हमीर उत्सव भी शिथिल हो जाता। आश्चर्य यह कि कहीं भी प्रभाव से कोई समारोह राज्य स्तरयी घोषित हो जाता, जबकि लोक परंपराएं लुप्त हो रही हैं। सांस्कृतिक समारोहों की रौनक के लिए 'माइक' बिक जाते हैं और कोई पंजाबी का मशहूर सिंगर 'लिप सिगिंग' करके भारी राशि ले जाता है। पिछले कुछ सालों से शिमला-धर्मशाला के अलावा मंडी व हमीरपुर में भी फिल्मों के आर्ट, मजमून, अदायगी और तकनीक पर न केवल परदाश्री हुए, बल्कि ऐसी चर्चाएं हुईं जिनसे यहां की प्रतिभाओं को वैचारिक गति मिली।



### न्यूज़ ब्रीफ

#### एमबाप्पे के दो गोल से रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया

बार्सिलोना। किलियन एमबाप्पे के दो गोल की मदद से रियल मैड्रिड ने एल क्लासिको मुकाबले में बार्सिलोना को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड ने ला लीगा की अंकतालिका में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से अपना अंतर घटाकर तीन अंक कर लिया। बार्सिलोना के घरेलू मैदान कैप नोड में खेले गए मुकाबले में एमबाप्पे ने मध्यांतर से पहले गोल कर रियल मैड्रिड को बढ़त दिलाई। इसके बाद राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, एमबाप्पे ने मुकाबले के अंतिम चरण में एक और गोल दागकर रियल मैड्रिड की जीत सुनिश्चित कर दी। इस हार के साथ बार्सिलोना को मौजूदा सत्र में घरेलू प्रतियोगिताओं में पहली हार का सामना करना पड़ा। लगातार दूसरी हार से बार्सिलोना पर दबाव बार्सिलोना को इससे पहले मंगलवार को चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस तरह टीम को लगातार दूसरी हार मिली। जर्मन कोच हान्सी प्लिक के नेतृत्व में बार्सिलोना ने इससे पहले लीग के अपने शुरुआती तीन मुकाबले जीते थे, लेकिन पिछले एक सप्ताह में टीम का प्रदर्शन लड़खड़ा गया। प्लिक के आने के बाद पिछले सात एल क्लासिको मुकाबलों में से छह में बार्सिलोना ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, इस बार जोस मोरिन्हो के मार्गदर्शन में खेल रही रियल मैड्रिड की टीम के सामने उसे संघर्ष करना पड़ा। मोरिन्हो के नेतृत्व में लय में रियल मैड्रिड निलंबन के कारण विंगर विनीसियस जूनियर के बिना उतरी रियल मैड्रिड ने सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवी जीत दर्ज की। अनुभवी पुर्तगाली कोच मोरिन्हो के मार्गदर्शन में टीम धीरे-धीरे अपनी लय हासिल कर रही है। इस जीत से रियल मैड्रिड को खिताब की दौड़ में महत्वपूर्ण बढ़त मिली है, जबकि बार्सिलोना को लगातार दो हार के बाद अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

#### भारतीय खेल जगत के लिए बड़ी खबर: अहमदाबाद में 2029 में होगी भारोतोलन विश्व चैंपियनशिप, आईडब्ल्यूएफ का एलान



नई दिल्ली। गुजरात का अहमदाबाद शहर वर्ष 2029 में सीनियर भारोतोलन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय भारोतोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने चीन के निंग्बो में आयोजित कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस आयोजन के साथ ही भारत पहली बार सीनियर भारोतोलन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। 2029 और 2030 के मेजबान शहरों का चयन अंतरराष्ट्रीय भारोतोलन महासंघ ने अपनी कार्यकारी बोर्ड की बैठक में वर्ष 2029 और 2030 की सीनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान शहरों का चयन किया। इसके तहत 2029 की प्रतियोगिता अहमदाबाद में आयोजित होगी, जबकि वर्ष 2030 की मेजबानी रूस की राजधानी मास्को को सौंपी गई है। इसके अलावा, बोर्ड ने वर्ष 2028 की विश्व युवा भारोतोलन चैंपियनशिप की मेजबानी कोसोवो की राजधानी प्रिश्टिना और विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी वेनेजुएला की राजधानी काराकास को देने का फैसला किया।

#### अबू धाबी टी10 के प्रसारण अधिकार जियोस्टार को, भारत में स्टार स्पोर्ट्स और जियोहाटस्टार पर दिखेंगे सभी 32 मुकाबले



अबू धाबी। अबू धाबी टी10 लीग ने भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी पहुंच बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने 2026 सत्र के प्रसारण अधिकार जियोस्टार को सौंप दिए हैं। इसके तहत टूर्नामेंट के सभी 32 मुकाबलों का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स के टेलीविजन नेटवर्क पर होगा, जबकि डिजिटल माध्यम पर मुकाबले जियोहाटस्टार पर देखे जा सकेंगे। आयोजकों के अनुसार, इस साझेदारी का उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में टूर्नामेंट की पहुंच बढ़ाना और अधिक से अधिक प्रशंसकों को क्रिकेट के सबसे तेज प्रारूप से जोड़ना है। जियोस्टार के साथ यह करार अबू धाबी टी10 की वैश्विक विस्तार रणनीति का अहम हिस्सा है। 13 दिन में खेले जाएंगे 32 मुकाबले अबू धाबी टी10 का 2026 संस्करण 7 से 20 नवंबर तक अबू धाबी के जायेद क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। टूर्नामेंट में कुल 32 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें छह दिन तीन-तीन मुकाबले और सात दिन दो-दो मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। टूर्नामेंट का आधिकारिक खिलाड़ी चयन कार्यक्रम 30 सितंबर को अबू धाबी में आयोजित किया गया था, जिसमें क्रिकेट के कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के शामिल होने की तैयारी है।

## मुंबई इंडियंस को फिर विजेता बनाने कमियों को दूर करना होगा: पोलार्ड

मुंबई

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड ने माना है कि टीम में कुछ कमजोरियाँ आई हैं जिन्हें नये सत्र से दूर करने का प्रयास किया जाएगा। पोलार्ड का कहना है कि वह फिर भी टीम को शीर्ष पर पहुंचा चाहते हैं पर इसके लिए सभी को अपनी कमियों को दूर करना होगा। उन्होंने माना है कि पिछले कुछ सत्र में टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है और अब समय आ गया है कि इन बातों पर ध्यान दिया जाये। पोलार्ड का मानना है कि टीम को दोबारा निडर और दमदार क्रिकेट खेलना खेलना जो कि मुंबई इंडियंस की अब तक की पहचान रही है।पोलार्ड को महिला जयवर्धने की जगह पर कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। पोलार्ड का मुंबई इंडियंस और उसकी

सहयोगी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ाव आईपीएल 2010 से ही रहा है। गौरतलब है कि एक खिलाड़ी के तौर पर पोलार्ड मुंबई इंडियंस के पांच आईपीएल खिताबी अभियानों का अहम हिस्सा रहे हैं। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में आईपीएल ट्राफी जीती थी, जिसमें उनका योगदान असाधारण रहा। इसके अतिरिक्त, वह 2011 और 2013 में मुंबई की चैंपियंस लीग टी20 खिताबी जीत में भी शामिल थे। उन्होंने आईपीएल में कुल 189 मैच खेले हैं, जिसमें 3412 रन बनाए और 69 विकेट अपने नाम किए, जो उनकी आलराउंड क्षमता को दिखाता है।फ्रेंचाइजी के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में पोलार्ड ने प्रशंसकों से बात करते हुए कहा, एक टीम के तौर पर हमें यह समझना होगा कि हम उतने

## किमी एंटोनेली ने जीती अमेरिकी ग्रांप्री, विश्व चैंपियनशिप खिताब से बस दो अंक दूर

पूर्व विश्व चैंपियन हाकिनेन को भारत में फार्मूला-1 मुकाबले फिर शुरु होने की उम्मीद

मुम्बई। फार्मूला-1 चालक और दो बार के विश्व चैंपियन फिनलैंड के मिका हाकिनेन को उम्मीद है कि भारत में मोटरस्पोर्ट के मुकाबले फिर शुरु होंगे। मिका ने कहा कि भारत के लोग भी फार्मूला-1 रेस देखना चाहते हैं। वहीं भारत सरकार भी देश में फार्मूला-1 की वापसी के लिए सक्रिय प्रयास कर रही है, जिससे इस खेल की देश में वापसी की संभावनाएं बढ़ी है। हाकिनेन ने कहा, भारत में कई साल पहले रेस का आयोजन हुआ था और तब से ही लोगों का इसे अपार समर्थन मिला था। वहीं भारत दौरो के बाद बाद मैंने महसूस किया कि भारत में फार्मूला-1 के प्रशंसकों की संख्या बहुत बढ़ी है। भारतीय इतिहास में दो चालकों की फार्मूला-1 में भागीदारी का भी जिक्र किया, जो भारत में रेस आयोजित करने की आवश्यकता को और पुष्ट करता है। हाकिनेन ने कहा कि भारत में फार्मूला-1 रेस का आयोजन केवल एक खेल आयोजन नहीं होगा, बल्कि इससे देश को आर्थिक लाभ भी होगा। गौरतलब है कि भारत में फार्मूला-1 रेस का आयोजन 2011 से 2013 तक लगातार तीन वर्षों में किया गया था। इन सभी तीनों सत्रों में रेड बुल के लिए जर्मनी के सेबेस्टियन वेटेल ने विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता था। हाकिनेन जैसे दिग्गज के इस बयान से भारत में इस प्रतिष्ठित मोटरस्पोर्ट की वापसी की बहस और तेज हो गयी है। मिका हाकिनेन ने रेड बुल की असाधारण प्रगति और मैक्स रेस्ट्रेपेन के प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि सत्र की शुरुआत के मुकाबले मैक्स अब ज्यादा खुश होंगे। मैं इस बात से प्रभावित हूँ कि रेड बुल की टीम ने इतने कम समय में अपने प्रदर्शन और कार के विकास में इतना सुधार कैसे किया। मैक्स एक शानदार ड्राइवर हैं। यह दर्शाता है कि एक पूर्व चैंपियन होने के नाते वे खेल की बारीकियों पर पैनी नजर रखते हैं।



आरिस्टन

मर्सिडीज के युवा इतालवी ड्राइवर किमी एंटोनेली ने अमेरिकी ग्रांप्री जीतकर फार्मूला वन विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। 20 वर्षीय एंटोनेली अगले सप्ताह मेक्सिको में खिताब अपने नाम कर सकते हैं। वह फार्मूला वन के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने की दहलीज पर है।

अमेरिका के आस्टिन स्थित सर्किट आफ द अमेरिकाज में एंटोनेली ने पोल पोजिशन से शुरुआत की और एक बार पिट स्टॉप के रणनीति के साथ शानदार जीत दर्ज की। यह इस सत्र में उनकी नौवीं जीत रही। उन्होंने फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर को 13.078 सेकंड से पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि रेड बुल के मैक्स वेस्ट्रेपेन तीसरे स्थान पर रहे।

**खिताब के लिए चाहिए सिर्फ दो अंक**

अमेरिकी ग्रांप्री के बाद एंटोनेली के कुल अंक अपने मर्सिडीज साथी जार्ज रसेल से 123 और फेरारी के लुईस हैमिल्टन से 124 अधिक हो गए हैं। अब सत्र में अधिकतम 125 अंक ही उपलब्ध हैं। मेक्सिको ग्रांप्री के

## हाफ मैराथन आयोजित



हैदराबाद

स्नेप्स इंडिया इंटरनेशनल न्यूज एंड फोटो एजेंसी की एक टीम ने टाइम्स इंटरनेट हाफ मैराथन 0 हैदराबाद एडिशन में हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को खैरताबाद स्थित एचएमडीए ग्राउंड में आयोजित हुआ।स्नेप्स इंडिया इंटरनेशनल न्यूज एंड फोटो एजेंसी के संपादक मोहम्मद शमसुद्दीन भी इस आयोजन में शामिल हुए। हैदराबाद हाफ मैराथन के पांचवें संस्करण में 1500 से अधिक धावकों ने भाग लिया। इस मैराथन का आयोजन एनईबी स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपने इवेंट पार्टनर्स के साथ मिलकर किया।

## रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में धवन, द्रविड, धोनी और सचिन को किया शामिल

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश की घोषणा ही है।रहाणे ने अपनी टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर मुरली विजय और शिखर धवन को रखा है। वहीं नंबर तीन पर द वाल राहुल द्रविड़ को जगह मिली, जबकि चौथे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को रखा है। रहाणे ने स्वयं अपने को नंबर पांच पर रखा है जबकि टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को सौंपी गई, जो नंबर छह पर बल्लेबाजी करते हैं।

विराट, रोहित और बुमराह को नहीं मिली जगह

धोनी को कप्तान चुनने का कारण बताते हुए रहाणे ने कहा कि वह उनके पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। हैरानी की बात है कि रहाणे को इस टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और चैतेश्वर पुजारा जैसे दिग्गजों को जगह नहीं मिली है। इसके लेकर रहाणे का कहना है कि उन्होंने केवल उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है जिनके साथ उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू करियर में खेला है। वहीं रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी को स्पिन गेंदबाजी और आल-राउंडर विकल्पों के रूप में शामिल किया गया, जो अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद



शमी और इशांत शर्मा को सौंपी है। यह तीनों गेंदबाज उस भारतीय टीम का अभिन्न हिस्सा थे जिसने 2018 के बाद से तेज

गेंदबाजी पर विशेष ध्यान देना शुरू किया और विदेशी धरती पर भारत को कई यादगार टेस्ट जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

## 41वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मप्र की दीपिका ने जीता स्वर्ण, प्रशांत ने दिलाया रजत पदक



भोपाल

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 23 से 27 अक्टूबर 2026 तक आयोजित 41वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के तीसरे दिन बालक अंडर-20 वर्ग की 5000 मीटर रेस बाक स्पर्धा में मध्यप्रदेश एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ी प्रशांत कुमार ने रजत पदक अपने नाम किया। उन्होंने 19 मिनट 55.56 सेकंड का समय दर्ज करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

**खेल मंत्री कैलाश सारंग ने दी बधाई**

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य को कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर अभ्यास के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाएंगे। खिलाड़ियों की सफलता अन्य युवाओं को खेलों से जुड़ने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

## आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज नार्टजे के बिना उतरेंगी दक्षिण अफ्रीका

केप टाउन

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नार्टजे ग्रेडन में हल्की चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। नार्टजे का बाहर होना अफ्रीकी टीम के लिए बड़ा झटका है। यह सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है और इस मैच में जीतने वाली टीम सीरीज विजेता बनेगी। ऐसे में हुए केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले जाने वाले इस मुकाबले में जीत के लिए दोनों ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। ऐसे में नार्टजे जैसे बेहतरीन गेंदबाज की कमी अफ्रीकी टीम को खलेगी।

नार्टजे को जगह पर अभी तक किसी अन्य गेंदबाज को शामिल नहीं किया गया है। इससे टीम के खिलाड़ियों पर दबाव और बढ़ गया है। नार्टजे को गकेबुसामी में खेले गए दूसरे टेस्ट की पहली पारी में गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। बुधवार को चोटिल होने के बाद वह चौथे दिन सुबह अपने चौथे ओवर के बीच में ही मैदान छोड़कर चले गए थे। इसके बाद स्कैन जांच में उनकी चोट की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें निर्णायक मुकाबले से बाहर रखने का यह कठिन फैसला लिया गया। नार्टजे के लिए यह चोट इसलिए भी निराशाजनक है, क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में लंबे अंतराल के बाद वापसी की थी। डबलन में सीरीज के पहले टेस्ट से पहले उन्होंने साढ़े तीन साल से ज्यादा समय तक टेस्ट नहीं खेला था। निर्णायक टेस्ट में नार्टजे को जगह भरने के लिए दक्षिण अफ्रीका के पास कुछ विकल्प मौजूद हैं। तेज गेंदबाजों में गेराल्ड कोएल्जी, आलराउंडर कार्बिन बाश और डेन पेट्रसन में से किसी एक को मौका मिल सकता है। हालांकि, इन खिलाड़ियों के पास टेस्ट मैचों का काफी कम अनुभव इनकी राह में बाधा



बन सकता है। कोएल्जी ने करीब दो साल से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि बाश और पेट्रसन भी टीम के साथ पहले टेस्ट से मौजूद हैं लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला है।वहीं न्यूलैंड्स की पिच को प्रकृति और टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए, दक्षिण अफ्रीका की टीम में कप्तान टेम्बा बावुमा के अलावा मार्कस एकरमैन, डेविड बेडिंग्घम, कार्बिन बाश, मैथ्यू ब्रीड्रजके, गेराल्ड कोएल्जी, साइमन हार्मर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडन मार्करम, वियान मुल्लर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पेट्रसन, कगिसो रबाडा, रयान रिक्लेटन और काइल वेरें जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन नार्टजे की जगह किस खिलाड़ी को ऑर्तिम एकादश में शामिल करता है।

यह तिकड़ी अपनी गति, स्विंग और सटीकता के लिए जानी जाती थी।यह स्वाभाविक था कि जब इस एकादश में विराट र रोहित से आधुनिक युग के दो सबसे बड़े नामों को नहीं देखा गया, तो क्रिकेट प्रशंसक और विशेषज्ञ दोनों ही आश्चर्यचकित रह गए। जिसके लिए रहाणे ने कहा कि उन्होंने इस टीम में रखा गया है जो उनके साथ खेले थे। गौरतलब है कि रहाणे ने इसी साल जुलाई में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। वहीं संन्यास के बाद, विराट ने सोशल मीडिया पर रहाणे की जमकर तारीफ की थी। कोहली ने लिखा था कि रहाणे उनके सबसे पसंदीदा टेस्ट बल्लेबाजी पार्टनर और रिलफ में सबसे सुरक्षित जोड़ीदार थे, और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए शानदार योगदान दिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि मैदान पर भले ही रहाणे ने अपनी विशेष एकादश में कुछ खिलाड़ियों को शामिल न किया हो, लेकिन आपसी सम्मान और भाईचारा हमेशा बना रहता है।





## एसवीएम ग्रैंड ने कोम्पल्ली में लॉन्च किया लग्जरी हॉस्पिटैलिटी ब्रांड ‘एसवीएम लक्स’

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसवीएम ग्रुप ऑफ होटल्स ने अपनी हॉस्पिटैलिटी पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए लग्जरी सेगमेंट में कदम रखा है। समूह ने अपना नया प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी ब्रांड ‘एसवीएम लक्स’ पेश किया है। हैदराबाद के कॉम्पल्ली में स्थित समूह की नौवीं शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में कुतुबुल्लापुर विधायक और बीअरएस विधायक दल के चीफ व्हिप श्री केपी विवेकानंद ने किया।एसवीएम लक्स के भव्य उद्घाटन समारोह के हिस्से के रूप में एसवीएम मैनेजमेंट ने प्रसिद्ध भारतीय प्लेबैक सिंगर गीता माधुरी का लाइव संगीत कार्यक्रम आयोजित किया। उनके ऊर्जावान लाइव प्रदर्शन ने दर्शकों का मनोरंजन किया और समारोह के उत्सवपूर्ण माहौल को और बढ़ाया। इस संगीत कार्यक्रम में करीब 3,000 लोगों ने हिस्सा लिया, जो उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण रहा।एसवीएम ग्रुप ऑफ होटल्स के संस्थापक और प्रबंध निदेशक श्री एम. वरा प्रसाद के नेतृत्व में स्थापित यह नई प्रॉपर्टी समूह की विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पहले से आठ शाखाएं स्थापित करने के बाद अब समूह एसवीएम लक्स के जरिए लग्जरी हॉस्पिटैलिटी सेगमेंट में प्रवेश कर रहा है। यहां प्रीमियम आवास, फाइन डाइनिंग, लाउंज बार, बोर्ड रूम और कई बैंकेट हॉल एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।कॉम्पल्ली में स्थित एसवीएम



लक्स में 88 कमरे हैं, जिनमें करीब छह से सात लग्जरी सूट शामिल हैं। साथ ही यहां 11 बैंकेट हॉल भी हैं। यह प्रॉपर्टी पारिवारिक समारोहों, शादियों, कॉर्पोरेट मीटिंग्स, सामाजिक कार्यक्रमों और अन्य विशेष अवसरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार की गई है।

आधुनिक सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण हॉस्पिटैलिटी सेवाओं के साथ होटल मेहमानों को आरामदायक और लग्जरी अनुभव देने का लक्ष्य रखता है।दूसरी मंजिल पर लाउंज बार और फाइन डाइनिंग की सुविधाएं हैं, जबकि तीसरी और चौथी मंजिल पर लग्जरी कमरे और सूट स्थित हैं। पांचवीं, छठी और सातवीं मंजिल पर विभिन्न समारोहों, बिजनेस मीटिंग्स और अन्य कार्यक्रमों के लिए बैंकेट हॉल बनाए गए हैं। कॉर्पोरेट मीटिंग्स और बिजनेस चर्चाओं के लिए एक समर्पित बोर्ड रूम भी उपलब्ध है।

## लाइफस्पैन ने भारतीय शूटिंग स्टार ईशा सिंह के साथ ब्रांड एंबेसडर कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया



हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद स्थित हेल्थ एंड वेलनेस प्रोडक्ट्स की प्रमुख कंपनी लाइफस्पैन प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय पिस्टल शूटर ईशा सिंह के साथ अपना ब्रांड एंबेसडर कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया है। दोनों के बीच पिछले कुछ वर्षों से

चली आ रही साझेदारी अब आगे भी जारी रहेगी।ईशा सिंह ने इस विस्तार पर खुशी जताते हुए कहा कि लाइफस्पैन के साथ उनकी यात्रा बहुत फलदायी रही है। वे कंपनी के स्वास्थ्य, वेलनेस और स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन को बढ़ावा देने के मिशन का हिस्सा बने रहने के लिए उत्साहित हैं।लाइफस्पैन

के संस्थापक और सीएमडी डॉ. नरेंद्र राम नांबुला ने कहा, ईशा सिंह के साथ अपना संबंध बढ़ाने पर हमें खुशी है। वे पिछले कुछ वर्षों से लाइफस्पैन परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं और उन्होंने हमारे मूल्यों को गर्व के साथ प्रस्तुत किया है। उनकी अनुशासन, फोकस और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है।यह साझेदारी अनुशासन, दृढ़ता और उत्कृष्टता की साझा भावना को दर्शाती है। इसके माध्यम से लाइफस्पैन एथलीट्स और खेल समुदाय के साथ अपना जुड़ाव और मजबूत करने के साथ-साथ स्वास्थ्य, फिटनेस व पोषण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

### टास्क सेंटर से 2,600 युवाओं को रोजगार

पेढ़ापल्ली, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेढ़ापल्ली जिला केंद्र में सरकारी जूनियर कॉलेज के अतिरिक्त कक्षाओं के नवीनीकरण पर 27 लाख रुपये, टास्क (तेलंगाना अकादमी फॉर स्किल एंड नॉलेज) क्षेत्रीय केंद्र पर 25 लाख रुपये तथा सरकारी महिला जूनियर कॉलेज में नए जल संयंत्र पर 2.50 लाख रुपये खर्च किए गए। इनका उद्घाटन जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष और सरकारी सचेतक एवं पेढ़ापल्ली विधायक चित्ताकुंटा विजयरामन राव ने किया।इस अवसर पर विधायक ने बताया कि टास्क केंद्र के माध्यम से पिछले डेढ़ वर्ष में 2,600 युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। विधानसभा क्षेत्र में शैक्षणिक बुनियादी सुविधाओं के विकास पर करीब 70 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस शैक्षणिक वर्ष में पेढ़ापल्ली मंडल के निजी स्कूलों से करीब 600 विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में आए हैं। जिला शैक्षणिक परिणामों में 32वें स्थान से पहले स्थान पर पहुंचा है।विधायक ने विद्यार्थियों को अन-शासन के साथ पढ़ाई करने और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कालेजों में उपस्थिति पर सख्ती बरतने तथा सरकारी शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों की सुविधाओं में सुधार पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

### मंत्री सीतक्का आज बांसवाड़ा में विकास कार्यों का उद्घाटन और भूमि पूजन करेंगी

बांसवाड़ा, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त निजामाबाद जिले की प्रभारी एवं पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री अनसूया सीतक्का मंगलवार, 27 अक्टूबर को बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन और भूमि पूजन कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 2 बजे कोथ्यागुड़ा टांडा में नई ग्राम पंचायत एवं महिला समाख्या भवनों का भूमि पूजन होगा। दोपहर 3 बजे बांसवाड़ा शहर के तीसरे वार्ड में महिला समाख्या भवन का उद्घाटन और 3:30 बजे बोरलाम गांव के बाहरी क्षेत्र में नवनिर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन किया जाएगा।मंत्री के दौरे की तैयारियों को लेकर तेलंगाना सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने शहरी और ग्रामीण मंडलों के जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं से मुलाकात कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए समन्वय से सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

### एक्टिविस्ट्स की गिरफ्तारी पर विरोध



बांसवाड़ा, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एक्टिविस्ट्स फोरम (टीयूपफ) के कामारेड्डी जिला अध्यक्ष उदुथा गंगाधर गुप्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार द्वारा एक्टिविस्ट्स से किए गए वादों को लागू करने की मांग को लेकर हैदराबाद जा रहे कार्यकर्ताओं को सीमावर्त तड़के गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस थाने ले जाया गया।गुप्ता ने कहा कि सरकार ने पांच महीने पहले एक्टिविस्ट्स के मुद्दों पर विचार करने के लिए केके कमेट्री बनाई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने मांग की कि अक्टूबर तक वादों को लागू करने की प्रक्रिया ऑनलाइन शुरू की जाए। ऐसा नहीं होने पर नवंबर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वादे पूरे नहीं किए गए तो कांग्रेस को भी राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

### प्रथम पृष्ठ का शेष...

चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी है।

### डैम विरोधी...

इसकी प्रस्तावित बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 60,000 मेगावाट है। पूरा होने पर इसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनने की संभावना जताई गई है। इसकी विशालता और संभावित जोखिमों के कारण इसे वांटर बम भी कहा जा रहा है।भारत और बांग्लादेश की चिंता यह है कि नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित देश पानी के बहाव की मात्रा और समय को प्रभावित कर सकता है। पिछले साल भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने के बाद पाकिस्तान ने भी आशंका जताई थी कि चीन त्सांगपो-ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली के जल प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है।

#### भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है सियांग बांध ?

केंद्र सरकार सियांग परियोजना को चीन की विशाल जलविद्युत परियोजना के मुकाबले एक रणनीतिक सुरक्षा उपाय के रूप में देखती है। सरकार का तर्क है कि विशाल जलाशय में पानी जमा करके नदी के बहाव में अचानक होने वाले उतार-चढ़ाव को नियंत्रित किया जा सकता है। इससे बाढ़ प्रबंधन और देश की जल सुरक्षा को मजबूती मिल सकती है।

मुख्यमंत्री पेमा खांडू के अनुसार, सियांग परियोजना की अनुमानित उपयोगी जल भंडारण क्षमता लगभग 9.2 अरब घन मीटर है, जबकि चीन की मेडोंग परियोजना की क्षमता लगभग 5.5 अरब घन मीटर बताई गई है।

सरकार का मानना ​​है कि परियोजना का निर्माण और संचालन निर्धारित योजना के अनुसार होने पर इससे पानी के बहाव को नियंत्रित करने, बाढ़ के जोखिम को कम करने और बिजली उत्पादन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इससे पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और अरुणाचल प्रदेश में रोजगार एवं आर्थिक अवसर पैदा करने की संभावना भी है।

मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के नवंबर 2025 के एक शोधपत्र में इस परियोजना को केवल ऊर्जा उत्पादन की पहल से आगे बताते हुए भारत की व्यापक जल सुरक्षा और जल-कूटनीति रणनीति का हिस्सा बताया गया था।

#### आदि समुदाय को क्यों है आपत्ति ?

स्थानीय आदि समुदाय का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर उनकी जमीन, नदी और जीवनशैली को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। समुदाय को आशंका है कि विशाल जलाशय बनने से गांवों और पुरतैनी जमीन के डूबने, आजीविका छिनने, पर्यावरण को नुकसान पहुंचने और सांस्कृतिक विरासत प्रभावित होने का खतरा है। इंटरनगर की पत्रकार टोपम रीना ने 'इंडिया टुडे डिजिटल' से बातचीत में बताया कि सियांग नदी से जुड़े पांच जिलों के लोगों का परियोजना को लेकर नजरिया सरकार से अलग है। उनके अनुसार, स्थानीय लोग जलाशय बनने के संभावित परिणामों को लेकर चिंतित हैं। अरुणाचल टाइम्स से जुड़ी रीना ने कहा कि सियांग क्षेत्र में किसी भी बड़ी परियोजना का विरोध लगभग 40 वर्षों से जारी है। हाल के

## जयपुर में सिद्धेश्वर वंदना संपन्न सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ में शामिल हुए श्रद्धालु

जयपुर, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्रीब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति (जयपुर केंद्र) के तत्वावधान में जगतपुरा स्थित माता त्रिपुर सुंदरी गुरु चरण मंदिर में प्रथम 'सिद्धेश्वर वंदना' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। प्रताप नगर, सांगानेर सेक्टर-26 स्थित मंदिर परिसर में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गुरु भक्तों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से हुआ। इसके बाद गुरु वंदना की गई। कार्यक्रम का संचालन गुरु भक्त मोहन लाल शर्मा एवं राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने किया। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन एवं सिद्धेश्वर सनातन संसार के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में गुरुदेव के विचारों, मानवता, संवेदनशीलता, परमार्थ और मानव सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

आयोजकों ने बताया कि परम



पूज्य गुरुदेवश्री ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी मानव सेवा एवं जीवदया को सर्वोपरि मानते हैं। उनका उद्देश्य समाज में सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देना है। इस दौरान गुरुदेव की सूक्ष्म शक्तियों एवं आध्यात्मिक सामर्थ्य से जुड़ी मान्यताओं का भी उल्लेख किया गया। बताया गया कि जयपुर में आयोजित आनंद महोत्सव के बाद गुरुदेव अपनी सूक्ष्म शक्तियों के माध्यम से प्रतिदिन मंदिर में आते हैं।

संजय शर्मा ने बताया कि किसी भी समस्या से परेशान श्रद्धालु निर्धारित संपर्क नंबरों पर अपनी परेशानी भेज सकते हैं। समिति इन समस्याओं को गुरुदेव

तक पहुंचाएगी। इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के साथ मानवता एवं जीव सेवा के कार्यों को रचनात्मक दिशा देना है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय मीडिया टीम से जुड़े कमल आत्रेय ने कार्यक्रम में शामिल सभी गुरु भक्तों एवं उनके परिवारों का हृदय से स्वागत किया। उन्होंने पूज्य गुरुदेव को साक्षात परमात्मा का प्रतिरूप बताते हुए श्रद्धालुओं ने उनके साथ श्रद्धा एवं आत्मवी भाव से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गुरु वंदना में भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बनाया।

## डूंगरमल चौपड़ा को खागा रत्न सम्मान



बेंगलूर, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्नाटका होजियरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन (खागा) की 35वीं आम सभा एफकेसीसीआई के ऑडिटोरियम में संपन्न हुई। अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में पिछले दो वर्षों के दौरान खागा की ओर से किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही, संगठन के लिए किए जाने वाले अन्य आवश्यक कार्यों पर भी प्रकाश डाला।

सचिव कैलाश बालर ने पिछली आम सभा की कार्यवाही का विवरण पढ़कर सुनाया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। उन्होंने अपने वर्तमान कार्यकाल में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी भी साझा की। कोषाध्यक्ष जोगेश जैन ने खागा की आय-व्यय का विस्तृत लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

खागा के लिए दी गई सेवाओं के सम्मान में पूर्व अध्यक्ष डूंगरमल चौपड़ा को संगठन के सर्वोच्च सम्मान 'खागा रत्न' से नवाजा गया। खागा के लिए उत्कृष्ट कार्य करने पर पूर्व अध्यक्ष दिलीप जैन एवं सदस्य चंपालाल जैन को भी सम्मानित किया गया। इंद्रलाल सोलंकी को सर्वसम्मति से पुनः खागा का ऑडिटर नियुक्त किया गया।

आम सभा में अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, उपाध्यक्ष पीएन राजपुरोहित, नरपतिसिंह राजपुरोहित एवं राजेश खैरा, सचिव कैलाश बालर, सहसचिव बिशनसिंह विराणा, जोगसिंह राजपुरोहित, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन, पूर्व अध्यक्ष उम्मेदमल बूचा, हाथिमल बैद, सज्जन राज मेहता, गौतमचंद पोवाल, डूंगरमल चौपड़ा एवं दिलीप जैन सहित कार्यकारिणी समिति के सदस्यों और बड़ी संख्या में आम सदस्यों ने भाग लिया।

### फॉर्म-6...

इसी वजह से 21 अक्टूबर से कागजी फॉर्म की तरह ऑनलाइन फॉर्म-6 को भी एसआईआर के घोषणा-पत्र से अलग कर दिया गया है। आयोग ने यह भी कहा कि जिन मतदाताओं के पुराने रिकॉर्ड का मिलान नहीं हो पाया है, सामान्य परिस्थितियों में उन्हें सुनवाई के लिए बुलाने की जरूरत नहीं है। बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) उनके घर जाकर दस्तावेज जुटाएंगे। केवल विशेष परिस्थितियों में ही सुनवाई की जाएगी। जहां संभव होगा, सुनवाई ऑनलाइन माध्यम से कराई जाएगी। अपने जवाब में आयोग ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए वही संवैधानिक प्रक्रिया अपनाई जाती है, जो सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने के लिए निर्धारित है। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त के कामकाज पर रोक लगाने की मांग सुनवाई योग्य नहीं है।

#### गोवा के 97 मतदाताओं पर आयोग का जवाब

गोवा में कथित तौर पर मतदाता सूची से छूट गए 97 मतदाताओं के मामले में आयोग ने कहा कि इस संबंध में कोई विवाद नहीं है। आयोग के अनुसार, 88 लोगों के नाम पहले ही मतदाता सूची में शामिल किए जा चुके थे, छह लोग विदेश में थे और तीन लोगों के पास पुर्तगाली पासपोर्ट थे। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में शामिल किए गए लोगों के नामों को लेकर एसआईआर न्यायाधिकरण के समक्ष वहां के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आपत्तियां दाखिल की हैं। आयोग ने इस आरोप से भी इनकार किया है कि उसकी ओर से मीडिया में कोई आंतरिक नोट या फाइल जारी की गई है। आयोग ने कहा कि दशहरा की छुट्टियों के कारण फिलहाल संक्षिप्त जवाब दाखिल किया गया है। इसलिए, उसे मामले के सभी बिंदुओं पर विस्तृत जवाब देने की अनुमति दी जानी चाहिए।

### गुवाहाटी में...

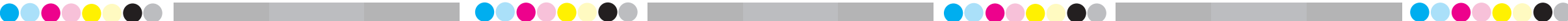
पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि गुवाहाटी में सुरक्षा की चिंताजनक स्थिति सार्वजनिक सुरक्षा और असम की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। कांग्रेस ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उसकी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। पार्टी ने कहा कि असम की जनता बेहतर सुरक्षा की हकदार है। सरकार को तत्काल कदम उठाने चाहिए और जवाबदेही तय करनी चाहिए।

### आंध्र-ओडिशा...

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, चक्रवात 'अर्नब' 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट पर पहुंच सकता है। इसके बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट पार करने की संभावना जताई गई है। इस दौरान हवा की रफ्तार 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। कुछ समय के लिए हवा के झोंके 140 किलोमीटर प्रति घंटा तक चलने का अनुमान है। तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह स्थिति खतरनाक हो सकती है। प्रशासन ने लोगों को समुद्र से दूर रहने और आधिकारिक



एपानएन का विश्लेषण है कि लुला की जीत का असर ब्राजील के बाहर भी देखने को मिलेगा। लुला के नेतृत्व में लैटिन अमेरिका का यह सबसे बड़ा देश ए.ए.ए. अधिकांश स्वतंत्र विदेश नीति अपनाएगा। लुला ने ब्राजील की संप्रभुता पर जोर दिया है। साथ ही ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) और चीन के साथ नजदीकी संबंध बनाने की कवाकलत की है। लुला ने 1970 के दशक में कर्मचारी नेता के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने वर्कर्स पार्टी की स्थापना में मदद की। लुला की जीत बोल्सोनारो के राजनीतिक आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका है। फ्लॉरियो वह हासिल करने में विफल रहे जो उनके पिता पूर्व राष्ट्रपति जायरे बोल्सोनारो भी 2022 में नहीं कर पाए थे। यानी चुनाव में लुला की हारना।



## तुमिडीहट्टी बैराज पर तेलंगाना-महाराष्ट्र की संयुक्त समिति बनेगी

### 152 मीटर ऊंचाई के प्रस्ताव पर महाराष्ट्र करेगा पुनर्विचार, तकनीकी पहलुओं की जांच के बाद तैयार होगा निर्माण का रोडमैप



हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना और महाराष्ट्र सरकारों ने प्रस्तावित तुमिडीहट्टी बैराज के निर्माण को लेकर एक संयुक्त समिति गठित करने पर सहमति जताई है। दोनों राज्यों के सिंचाई विभागों के प्रधान सचिवों की अध्यक्षता में गठित होने वाली यह समिति बैराज की प्रस्तावित ऊंचाई, जल उपलब्धता, डूब क्षेत्र, तकनीकी व्यवहार्यता तथा निर्माण से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच करेगी। साथ ही, परियोजना के निर्माण के लिए समयसीमा और कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी। सोमवार को मुंबई स्थित सहाद्री स्टेट गेस्ट हाउस में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

**152 मीटर ऊंचाई का प्रस्ताव**  
तेलंगाना सरकार ने वर्ष 2016 में सहमत 148 मीटर की ऊंचाई के मुकाबले बैराज की ऊंचाई 152 मीटर रखने का प्रस्ताव रखा। राज्य सरकार का तर्क है कि तत्कालीन आदिलाबाद जिले की सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने और गुरुत्वाकर्षण आधारित

जल आपूर्ति व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए ऊंचाई बढ़ाना आवश्यक है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि महाराष्ट्र इस पर पुनर्विचार करेगा। उन्होंने कहा कि यदि बैराज की ऊंचाई 152 मीटर करने से महाराष्ट्र और वहां के लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है, तो राज्य तेलंगाना का समर्थन करेगा।

बैठक में तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, दोनों राज्यों के मुख्य सचिव तथा सिंचाई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने तत्कालीन आदिलाबाद जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि समृद्ध विरासत के बावजूद यह क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ा रहा है। यहां के आदिवासी समुदायों को लंबे समय से विकास और सिंचाई सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास 6 अक्टूबर, 1975

से जारी हैं, लेकिन स्थानीय लोगों की अपेक्षाएं अब तक काफी हद तक अधूरी रही हैं। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 के समझौते के तहत प्रस्तावित 148 मीटर ऊंचा बैराज क्षेत्र की सिंचाई आवश्यकताओं को पर्याप्त रूप से पूरा नहीं कर पाएगा।

उन्होंने बढ़ती ऊर्जा लागत, पर्यावरण संबंधी चिंताओं, जलवायु परिवर्तन और परियोजना के दीर्घकालिक संचालन की स्थिरता का उल्लेख करते हुए गुरुत्वाकर्षण आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने 152 मीटर ऊंचाई के प्रस्ताव के तकनीकी और संचालन संबंधी लाभ भी प्रस्तुत किए। तेलंगाना सरकार ने महाराष्ट्र को आश्वासित किया कि बैराज के कारण जिन किसानों की कृषि भूमि डूब क्षेत्र में आएगी, उन्हें महाराष्ट्र में लागू भूमि अधिग्रहण और मुआवजा नीतियों के अनुसार मुआवजा देने के लिए तेलंगाना तैयार है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दोनों राज्यों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य से जुड़ी साझा विरासत दोनों राज्यों को आपस में जोड़ती है। आदिवासी नेता कोमाराम भीम के 'जल, जंगल, जमीन' आंदोलन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आदिलाबाद के आदिवासी समुदाय कई पीढ़ियों से सिंचाई और पेयजल सुविधाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने बैराज का आर्थिक रूप से पिछड़े आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए महाराष्ट्र से मित्रता और आपसी समझ की भावना के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

## विजय-रश्मिका ने साइबर पुलिस में की शिकायत

हैदराबाद, 27 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। टॉलीवुड के सितारों विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने वाले लोगों के विरुद्ध साइबरबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के डीसीपी के पास शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में कहा गया है कि कुछ लोग जानबूझकर 'काँफी विद करण' शो में देवरकोंडा और मंदाना की उपस्थिति के दौरान की गई टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और उनके बारे में झूठी जानकारी प्रसारित कर रहे हैं। गच्चीबौली में रहने वाले इस दंपति ने



शिकायत में झूठे प्रचार में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दुष्प्रचार

अभियान से उन्हें काफी मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दंपति ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि वे विचारों की अभिव्यक्ति और रचनात्मक आलोचना का स्वागत करते हैं, लेकिन जानबूझकर किए जाने वाले भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण प्रचार को बदरत नहीं करेंगे। उन्होंने फजी पोस्ट से संबंधित खातों की जानकारी, स्क्रीनशॉट और अन्य आवश्यक साक्ष्य डीसीपी को सौंपे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जाएगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## बधर माताजी का वार्षिक उत्सव 17 से खेमदास मठ में भव्य दीपोत्सव, भजन संध्या और महाआरती में उमड़े श्रद्धालु



हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमानी, मर्दा, छापरावाल, मकड़ सहित माहेश्वरी समाज की अन्य दस खांपों की कुलदेवी बधर माताजी के धाम में नवनिर्मित भक्त निवास का लोकार्पण आगामी 17 नवंबर को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के ताना गांव में होगा। इस आशय की जानकारी टूरट के सहसचिव गोविंद

सोमानी ने दी। लोकार्पण समारोह के लिए राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ बागडे को आमंत्रित किया गया है। जयपुर स्थित लोक भवन में टूरट के अध्यक्ष शाम सुंदर सोमानी, राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश दिनेश सोमानी तथा टूरट के सहसचिव गोविंद सोमानी ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें

और रात्रि में भजन संध्या का आयोजन होता है। अगले दिन माताजी का भंडारा आयोजित किया जाता है। इस वार्षिक उत्सव में देशभर से कुलदेवी के भक्त पहुंचते हैं और धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। नवनिर्मित भक्त निवास के लोकार्पण से धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चूड़ी बाजार स्थित श्री खेमदास मठ में रविवार, 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के अवसर पर भव्य दीपोत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। सैकड़ों दीपों से जगमगाते मठ परिसर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

मठाधीश महंत डॉ. मनुदास स्वामी ने श्रद्धालुओं को शरद पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। पुजारी धर्मदास स्वामी एवं राजेश जी ने आयोजन की सराहना करते हुए सहयोगियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

भजन संध्या में विश्वविजय मित्र मंडली ने मधुर भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर मंडली के सदस्यों एवं भजन



कलाकारों सहित श्याम सुंदर उपाध्याय, महावीर व्यास (बाबरवाला) और बांके बिहारी ओझा का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मध्यरात्रि में विशेष महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को पारंपरिक खीर का प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम में रामदेव नागला, गोपाल

दायमा, अनिल जायसवाल, भगवान ओझा, गोपाल अग्रवाल सोंतालिया, दिनेश भाई मालपानी, राजेश अग्रवाल (राजू भाई), राजेंद्र सोनी, भगवान दास नागला, राधाकिशन उपाध्याय, पुरुषोत्तम उपाध्याय, सुरेश उपाध्याय, सुरेश कुमार (सुमित ज्वेलर्स), गोविंद जी (मामा),

ओमप्रकाश सिंह, कपिल महाराज, रामलाल यादव, अजय व्यास, भगवान व्यास, यश तिवारी, केशव व्यास, अनुराग पालीवाल, संदीप जायसवाल और अरुण व्यास सहित अनेक गणमाध्य नागरिक उपस्थित रहे।

महिलाओं में कलावती व्यास, संतोष व्यास, पिकी ओझा, कविता उपाध्याय और अंजू देवी कुराड़िया सहित अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यकर्ता अजय व्यास ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में प्रेम, एकता और सद्भावना बढ़ाने के साथ नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ते हैं। उन्होंने आगामी वर्षों में आयोजन को और भव्य रूप देने का विश्वास व्यक्त किया। भगवान श्रीकृष्ण एवं श्रीनाथजी के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए श्रद्धालुओं ने भजन संध्या, दीपोत्सव और महाआरती में भाग लिया।

## बीवीआई हाईटेक सिटी क्लब का शुभारंभ



हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भावसार विजन इंडिया, हैदराबाद (क्षेत्र 104) के अंतर्गत एएसबीएल स्पेक्ट्रा, नानकरामगुडा स्थित क्लब हाउस में नवगठित बीवीआई हाईटेक सिटी क्लब का भव्य शुभारंभ उद्घाटन के साथ संपन्न हुआ। इस

अवसर पर चार्टर अध्यक्ष रूपा क्लहवाल एवं चार्टर सचिव हरीश डौलागर को नई जिम्मेदारी सौंपा। अंतर्गत एएसबीएल स्पेक्ट्रा, नानकरामगुडा स्थित क्लब हाउस में नवगठित बीवीआई हाईटेक सिटी क्लब का भव्य शुभारंभ उद्घाटन के साथ संपन्न हुआ। इस

सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। बीवीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष सुत्रावे ने उपस्थित रहकर नई टीम का मार्गदर्शन किया और संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उप-गवर्नर प्रवीण

पतंगे, अध्यक्ष अश्विनी प्रवीण पतंगे, मंत्री घनश्याम पतंगे, बुलेटिन संपादक हेमा रानी परंकर तथा पूर्व गवर्नर विनोद फूटाने एवं सुरेश सुत्रावे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संगठन का इस वर्ष का ध्येय 'ग्रे विद विजन' (दूरदर्शिता के साथ प्रगति) क्लब की स्थापना के माध्यम से साकार होता दिखाई दिया। हाईटेक सिटी में नए क्लब की स्थापना का उद्देश्य भावसार समाज के अधिक लोगों को जोड़ना, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, सामाजिक एकता मजबूत करना और समाजसेवा के कार्यों का विस्तार करना है। समारोह के अंत में नवनिर्वाचित टीम को भावी गतिविधियों के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

## राजस्थानी ब्राह्मण सभा का स्नेह मिलन 27 दिसंबर को

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद की बैठक अध्यक्ष पं. पुरुषोत्तमलाला की अध्यक्षता में घांसी बाजार स्थित सभा कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में आगामी रविवार, 27 दिसंबर 2026 को ऋषिशृंग भवन में स्नेह मिलन, नववर्ष 2027 के बहुरंगी कैलेंडर का विमोचन तथा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम शाम 4:51 बजे प्रारंभ होगा।

इसमें डिग्री एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। सभा के प्रमुख घटक सिखवाल, आदिगौड़, दाहिमा, पारीक, गुजरगौड़, सारस्वत, खंडेलवाल, पुष्करणा, पाराथर,



श्रीमाली, शाकद्वीपीय, मग ब्राह्मण, पालीवाल और रावल ब्राह्मण सहित 13 उपजातीय संगठनों से जुड़े बंधुओं को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। गायत्री वंदना के बाद महामंत्री रामदेव नागला ने पिछली बैठक की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा कर आयोजन को सफल बनाने की सहमति दी गई। अर्जुन थानवी को प्रधान संयोजक बनाया गया। आगामी बैठक में सह-संयोजक एवं अन्य समितियों का गठन किया जाएगा।

रामदेव नागला ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष में डिग्री या उससे उच्च शिक्षा में 70 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अपनी अंकतालिका की फोटोकॉपी, आधार कार्ड की छायाप्रति, मोबाइल नंबर और दो फोटो जमा कराने होंगे। इसके लिए रामदेव नागला (6300534407) और अर्जुन थानवी (9951515015) से संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। बैठक में अध्यक्ष पं. पुरुष-

तेमलाला, महामंत्री रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष भरत चांडा, प्रधान संयोजक अर्जुन थानवी, प्रचार-प्रसार मंत्री संदीप जायसवाल, रामनिवास पाराशर, गोपाल शर्मा, श्रीलाल पारीक, पवन मिश्रा और लक्ष्मीकांत पांडे उपस्थित थे।

मदन गोपाल व्यास, सुरेश गांधी, दामोदर जोशी, सुरेश व्यास पारीक, अरविंद नारानिया, रामेश्वरलाल जोशी, गोविंद मदी, मोहनलाल शर्मा, श्याम मिश्रा, मुकेश सांडील्य और दिनेश खंडेलवाल ने पारिवारिक एवं त्योहार संबंधी व्यस्तताओं के कारण दूरभाष पर आयोजन के प्रति सहमति व्यक्त की। बैठक के समापन पर अर्जुन थानवी ने सभी सदस्यों से एकजुट होकर आयोजन को भव्य बनाने में सहयोग की अपील की।

